CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-65
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार, 10 जून 2024

आज का विचार

'विद्या एक ऐसा धन है, जो समाज में आपके सम्मान का विस्तार करता है।'

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार ली शपथ, कैबिनेट में मध्यप्रदेश से शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार खटीक, दुर्गादास उईके और सावित्री ठाकुर शामिल

62 साल बाद नेहरू के कद का पीएम

नई दिल्ली। *2014, 2019 और अब 2024। स्थान राष्ट्रपति भवन का प्रांगण। ब्लू जैकेट और सफेद कुर्ता पायजामे में लगातार तीसरी बार शपथ लेने के लिए नरेंद्र दामोदर दास मोदी पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही मोदी-मोदी के नारे गूंजने लगते हैं। आखिर हो भी क्यों न, देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी जो कर चुके हैं। कभी दो सांसदों वाली पार्टी ने इस ऐतिहासिक राष्ट्रपति भवन में लगातार तीसरी सरकार बनाई है और उसके मुखिया पीएम मोदी हैं। आते ही वे सभी का अभिवादन करते हुए मंच पर पहुंच जाते हैं। वहां पहुंचते ही उन्होंने झुककर सबको नमस्ते किया और फिर नरेंद्र दामोदर दास मोदी.. की आवाज गूंजती है। लगातार तीसरी बार देश के पीएम के रूप में मोदी ने शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में रखे गए शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के लिए जैसे ही नरेंद्र मोदी उठे, मोदी-मोदी के नारों से पूरा समारोह स्थल गूंज उठा। इधर पीएम मोदी शपथ ले रहे थे और उधर मोदी-मोदी के नारे लग रहे थे। शपथ लेने के बाद पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद दिया। इसके बाद पीएम मोदी अपनी सीट पर जाकर बैठ गए। उनके साथ-साथ एनडीए सरकार की नई कैबिनेट में शामिल होने वाले मंत्रियों को भी शपथ दिलाई गई। कैबिनेटर में शामिल होने वाले नए मंत्रियों में मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पंजाब से आने वाले रवनीत सिंह बिट्टू का नाम शामिल है। रवनीत सिंह बिट्टू को लोकसभा चुनाव में हारने के बावजूद मंत्री बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री को तौर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी शपथ ली। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के बड़े नेता और 8 बार के सांसद वीरेंद्र कुमार खटीक मोदी 3.0 कैबिनेट में मंत्री बनाए गए हैं। मध्यप्रदेश से चौंकाने वाला नाम सावित्री ठाकुर का है। सावित्री ठाकुर धार लोकसभा सीट से चुनाव जीती हैं। बैतूल से सांसद दुगार्दास उईके को राज्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है। मोदी समेत 72 मंत्रियों ने शपथ ली।*

34 कैबिनेट मंत्री

राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, एस. जयशंकर, मनोहर लाल खट्टर, एचडी कुमार स्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, जीतनराम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, सर्वानंद सोनोवाल, वीरेंद्र कुमार खटीक, राममोहन नायडू, प्रह्लाद जोशी, जोएल ओरांव, गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजेजू, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मंडाविया, जी किशन रेड्डी, सीआर पाटिल, राव इंद्रजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, अर्जुनराम मेघवाल, प्रतापराव जाधव और जयंत चौधरी ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली।

36 राज्यमंत्री

जितिन प्रसाद, श्रीपद नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी सोनम्मा, पेन्नसामी चंद्रशेखर, एसपी सिंह बघेल, शोभा करंदलाजे, कीर्तिवर्धन सिंह, बनवारी लाल वर्मा, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, एल मुरुगन, अजय टम्टा, बंडी संजय कुमार, कमलेश पासवान, भागीरथ चौधरी, सतीश चंद्र दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुर्गादास उईके, रक्षा निखिल खड़से, सुकांता मुजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, डॉ. राजभूषण चौधरी, श्रीनिवास वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, नीबूबेन बमभानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन और पबित्रा मार्गेरिटा ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास

मोदी इससे पहले 2014 और 2019 में लगातार दो कार्यकाल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और अब लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद उन्होंने श्री नेहरू के रिकार्ड को दोहराकर इतिहास रचा है। वर्ष 1962 के बाद यह दूसरा मौका है जब किसी नेता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। राजग ने 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में 293 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है हालाकि इस बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है और उसे 240 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है।

मप्र से 2 चेहरे ओबीसी, 2 एसटी और एक एससी वर्ग से

मध्यप्रदेश से केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनाए गए तीन चेहरों में शिवराज और सिंधिया ओबीसी वर्ग से आते हैं। जबकि डॉ. वीरेंद्र कुमार एससी वर्ग से हैं। शिवराज छठवीं बार और सिंधिया 5वीं बार सांसद बने हैं। वहीं डॉ. वीरेंद्र कुमार 8वीं बार के सांसद हैं। दुर्गादास उईके एसटी वर्ग से आते हैं, वे बैतूल से दो बार के सांसद हैं। सावित्री ठाकुर एसटी वर्ग से हैं और धार से दो बार की सांसद हैं। दोनों पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं। दोनों ही केंद्र में पहली बार मंत्री बने हैं।

मुकेश अंबानी भी पहुंचे शपथ समारोह में

शपथ ग्रहण समारोह शाम 7 बजकर 15 मिनट पर शुरू हुआ और रात करीब 10 बजे तक चला। राष्ट्रपति भवन में 7 देशों के लीडर्स के अलावा देश के फिल्म स्टार भी इस समारोह में पहुंचे। इनमें अक्षय कुमार, शाहरुख खान, विक्रांत मेसी और राजकुमार हिरानी शामिल हैं। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी भी मौजूद रहे। इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड़, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड , बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ,भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबो, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ , राजनयिक एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

टीकमगढ़ के वीरेंद्र कुमार खटीक मोदी कैबिनेट में तीसरी बार मंत्री

मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के बड़े नेता और 8 बार के सांसद वीरेंद्र कुमार खटीक मोदी 3.0 कैबिनेट में मंत्री बनाए गए हैं। खटीक टीकमगढ़ से सांसद हैं और अपनी सादगी की वजह से चर्चा में रहते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी प्रत्याशी रहे वीरेंद्र खटीक ने कांग्रेस के पंकज अहिरवार को 4 लाख से ज्यादा वोटों से पराजित किया। मोदी कैबिनेट में तीसरी बार वीरेंद्र कुमार खटीक को मंत्री बनाया गया है। पहली बार 2017 में खटीक पीएम मोदी कैबिनेट में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री और 2021 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बनाया गया था। सागर जिले के एक बेहद गरीब परिवार में 27 फरवरी 1954 को जन्मे वीरेंद्र कुमार खटीक ने अपनी मेहनत के बलबूते सागर यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। पढ़ाई के लिए खटीक को साइकिल की पंचर बनाने से लेकर गाड़ियों की रिपेयरिंग तक का काम करना पड़ा था। दिग्गज नेता आज भी अपने पुराने और संघर्ष के दिनों के स्कूटर पर सवार होकर क्षेत्र में आम जनता का हाल जानने निकल जाते हैं।

पति हैं किसान, पत्नी सावित्री ठाकुर बनीं मंत्री

मंत्रिमंडल में मध्यप्रदेश से चौंकाने वाला नाम सावित्री ठाकुर का है। सावित्री ठाकुर धार लोकसभा सीट से चुनाव जीती हैं। उन्होंने इस सीट से राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले राधेश्याम मुवेल को 2 लाख 18 हजार 665 वोटों से हराया है। सावित्री ठाकुर को 7 लाख 94 हजार 449 वोट मिले हैं, जबकि राधेश्याम मुवेल ने 5 लाख 75 हजार 784 वोट मिले। धार सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद छतर सिंह दरबार का टिकट काट कर सावित्री ठाकुर को चुनाव मैदान में उतारा था। इससे पहले 2014 में भी सावित्री ठाकुर धार लोकसभा सीट से चुनाव जीती थीं लेकिन 2019 में उनका टिकट काट दिया गया था। इस बार पार्टी ने उन पर फिर से भरोसा किया था। वह पार्टी की उम्मीदों पर खरी उतरी हैं। सावित्री ठाकुर की गिनती उन नेताओं में होती है जिन्होंने अपने दम पर अपनी सियासी पहचान बनाई है। सावित्री ठाकुर के पति किसान हैं। सावित्री ठाकुर का जन्म 1 जून 1978 को हुआ था। सावित्री से पहले उनके परिवार से राजनीति में कोई नहीं था। सक्रिय राजनीति में वह खुद पहली बार उतरी हैं।

चार बार सीएम रहने के बाद अब केंद्र में मंत्री बने शिवराज

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को नरेंद्र मोदी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया है। उन्होंने छठे नंबर पर शपथ ली है। इससे मप्र की ताकत और ज्यादा बढ़ेगी। विदिशा से छठवीं बार सांसद चुने गए शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में भाजपा के सबसे कद्दावर नेता हैं। वे मप्र के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला है। उनका कार्यकाल करीब 16.5 वर्ष का रहा। इससे पहले भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान को मध्यप्रदेश में मामा नाम से भी पुकारा जाता है। उनका पेशा राजनीति और कृषि रहा है। सीहोर जिले के बुधनी में 5 मार्च 1959 को जन्मे शिवराज अब 64 के हो चुके हैं। लेकिन ऊर्जा से अब भी किसी युवा को मात देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा हासिल की है। एमए (दर्शनशास्त्र) कर चुके हैं। पिता प्रेम सिंह चौहान हैं, तो माता का नाम सुंदर बाई चौहान है। साधना सिंह से उनका विवाह हुआ है। उनके दो पुत्र कार्तिकेय चौहान, कुणाल चौहान हैं।

पीएम मोदी ने संभाला कार्यभार, साइन की पहली फाइल, किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मोदी के साथ ही 71 मंत्रियों ने भी पद तथा गोपनीयता की शपथ ली। अब नई कैबिनेट की पहली बैठक सोमवार शाम को होगी। यह बैठक लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के आवास पर होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक शाम पांच बजे हो सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार की नई कैबिनेट में शामिल लोगों के लिए रात्रिभोज का भी आयोजन

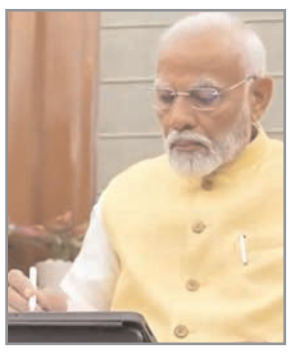

किया है। शपथ ग्रहण के अगले दिन सियासी हलचल तेज है। पीएम मोदी सुबह पीएमओ पहुंचे। यहां आला अधिकारियों से मिलें और तीसरी बार पदभार ग्रहण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभालने के बाद पहली फाइल किसान सम्मान निधि की साइन की। पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। इससे 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा और करीब 20,000 करोड़ रुपये बांटे जाएंगे। वहीं, लखनऊ रवाना होने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी से मुलाकात की।

मोदी कैबिनेट के शपथ ग्रहण के बाद उत्साह में शेयर बाजार

नरेंद्र मोदी कैबिनेट के शपथ ग्रहण के बाद सोमवार सुबह शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल देखा गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी रही। सुबह 09:21 बजे एनएसई निफ्टी 50 0.39% बढ़कर 23,382.05 पर था। वहीं बीएसई सेंसेक्स 233.11 अंक (0.30%) बढ़कर 76,926.47 पर था। एनएसई निफ्टी 50 23,411.90 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया और सेंसेक्स 77,079.04 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मोदी कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी आज ही किया जा सकता है। माना जा रहा है कि गृह के साथ ही वित्त, विदेश और रक्षा मंत्रालय भाजपा अपने पास रखेगी।

गेंदबाजों ने दिलाई रोमांचक जीत, भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से हराया

टी-20 विश्व कप में अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 120 रन का टारगेट दिया। पाकिस्तान की टीम 6 रन दूर रह गई। भारत की बल्लेबाजी फीकी रही, लेकिन गेंदबाजों ने जीत दिलाई ।बारिश के कारण टॉस में देरी हुई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आखिरी ओवर की पहली गेंद पर सातवीं सफलता मिली, जब अर्शदीप की गेंद पर इमाद वसीम को पंत के हाथों कैच आउट किया। पाकिस्तान को 5 गेंद पर 18 रन की जरूरत है। बुमराह ने उस समय भारत को छठी सफलता दिलाई जब 19वें ओवर में इफ्तिखार अहमद को अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट किया। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 18 रन चाहिए। पांचवीं सफलता हार्दिक पांड्या ने दिलाई जब शाबाद खान को पंत ने कैच आउट किया। शाबाद ने सिर्फ चार रन बनाए। पाकिस्तान का

स्कोर 16.3 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन, जीत के लिए 21 गेंद पर 32 रनों की जरूरत। भारत को चौथी और बहुमूल्य सफलता बुमराह ने उस समय दिलाई जब सेट बल्लेबाज रिजवान को 31 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड कर दिया। इस समय पाकिस्तान का स्कोर 14.3 ओवर में 80/4 था और जीत के लिए 33 गेंद पर 40 रन की जरूरत थी। पाकिस्तान का तीसरा विकेट फखर जमाल के रूप में गिरा जिन्होंने 13 रन बनाए। हार्दिक पांड्या की गेंद पर पंत ने कैच पकड़ा। इस समय पाकिस्तान को जीत के लिए 45 गेंद पर 47 रनों की दरकार है। पाकिस्तान का दूसरा विकेट 11वें ओवर में गिरा। उस्मान खान अक्षर पटेल की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। पाकिस्तान का स्कोर 10.3 ओवर में 65 रन पर दो विकेट था। पाकिस्तान को पहला झटका 4.4 ओवर में लगा जब पाकिस्तान का कुल स्कोर 26 रन था। कप्तान बाबर आजम 10 गेंद पर 13 रन बनाकर आउट हुए। बुमराह की गेंद पर स्लीप में सूर्यकुमार यादव ने शानदार कैच लपका। पाकिस्तान की ओर से बल्लेबाजी की शुरुआत कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने की। तीसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर शिवम दुबे ने रिजवान का आसान कैच छोड़ा। 4.1 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर बिना विकेट खोए 22 रन था। भारतीय पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वहीं पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह और हारिस रऊफ ने 3-3 विकेट लिए। पहले 10 ओवर भारतीय टीम के नाम रहे, तो बाद के 10 ओवर में पाकिस्तान ने जबरदस्त वापसी की। 8वां विकेट हार्दिक पांड्या का रहा, जिन्होंने 12 गेंद पर 7 रन बनाए। 17.4 ओवर में टीम का स्कोर 8 विकेट पर 112 रन था। अगले ही गेंद पर जसप्रित बुमराह बिना कोई रन बनाए आउट हो गए। भारत के 100 रन 16वें ओवर में पूरे हुए। इस समय तक सात बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। एक समय टीम इंडिया की पकड़ मजबूत लग रही थी, लेकिन 10वें ओवर के बाद पाकिस्तान ने जबरदस्त वापसी की। छठा और सातवें विकेट लगातार दो गेंदों पर गिर गया। सेट बैटर के रूप में ऋषभ पंत और फिर रवींद्र जडेजा आउट हो गए। पंत ने 31 गेंद पर 42 रन बनाए। जडेजा खाता भी नहीं खोल पाए। इस दौरान टीम इंडिया ने 7 रन के अंदर चार विकेट खो दिए।

इंदौर में दो माह के भीतर होगा मेट्रो का फास्ट ट्रायल रन

मेट्रो का संचालन इस साल मुश्किल

इंदौर। इंदौर में अब मेट्रो का फास्ट ट्रायल रन लेने की तैयारी मेट्रो ट्रेन कापोर्रेशन ने की है। मेट्रो डिपो से मेट्रो स्टेशन तक पांच किलोमीटर हिस्से में मेट्रो ट्रेन व कोच को 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा कर देखा जाएगा। दो माह के भीतर यह फास्ट रन करने का लक्ष्य अफसरों ने रखा है। पिछले साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव से पहले इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में किया गया था। 2024 सितंबर तक 17 किलोमीटर हिस्से तक मेट्रो के संचालन की घोषणा की गई थी, लेकिन इस साल मेट्रो का संचालन संभव नहीं है,क्योकि अभी मेट्रो स्टेशन तैयार नहीं हो पाए है। सिर्फ दो मेट्रो स्टेशन ही बन पाए है। इसके अलावा चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से विजयनगर तक मेट्रो के ट्रेक और विद्युतीकरण का काम भी अभी भी अधूरा है। इंदौर में मेट्रो के संचालन के लिए शहरवासियों को सालभर का इंतजार करना पड़ सकता है।

तीन मेट्रो ट्रेन आ चुकी है अब तक

इंदौर में तीन मेट्रो ट्रेन आ चुकी है। यह बड़ौदा की एक फैक्ट्री से तैयार होकर इंदौर आई है। इंदौर में 25 मेट्रो ट्रेन चलेगी। एक ट्रेन की क्षमता 400 यात्रियों की होगी। फिलहाल इंदौर आई तीन मेट्रो ट्रेनों के साथ फास्ट ट्रायल रन किया जाएगा। इंदौर में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ही मेट्रो का संचालन होना है, लेकिन जहां कर्व होंगे, वहां मेट्रो की स्पीड कम होगी, ताकि यात्रियों को मोड़ पर जर्क न लगे। इंदौर के ट्रेक पर गांधी नगर डिपो के अलावा आठलेन ब्रिज, लवकुश चौराहा और कुमेर्डी बस स्टेशन के पास ट्रेक पर कर्व है।

मेट्रो ट्रेन की राह में 1200 पेड़,2 महीने से काम अटका

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम पिछले दो महीने से रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। इसका कारण चंद्रगुप्त चौराहा से रेडिसन तक 366 पेड़ों की शिफ्टिंग नहीं हो पाना है। इसी तरह रोबोट चौराहे से आगे के काम के लिए भी निगम की एनओसी का इंतजार है। इस हिस्से में मीडियन हटाया जाना है। चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा से रेडिसन चौराहे तक बनने वाले स्टेशनों के लिए ग्रीन बेल्ट में आ रहे 366 पेड़ों की शिफ्टिंग संभवत: अगले हफ्ते से शुरू होगी। बापट चौराहा से होते हुए रेडिसन चौराहा तक कई हरे-भरे पेड़ हैं। इन्हें हटाने के लिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने निगम को राशि भी जमा करवा दी है। निगम ने टेंडर जारी कर दिए। एजेंसी को काम भी दे दिया, लेकिन निगम द्वारा पुराना भुगतान नहीं करने पर काम दो महीने से अटका हुआ है। हाल ही में मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने निगम अधिकारियों से मुलाकात कर काम जल्द शुरू करवाने की मांग की। यदि पेड़ नहीं हटाए गए तो मेट्रो का काम आगे नहीं बढ़ पाएगा।

यहां 900 पेड़ों को हटाना होगा

एमजी रोड पर मेट्रो अंडरग्राउंड हो जाएगी। कनाड़िया रोड पर भी मीडियन हटाने के लिए निगम की एनओसी की जरूरत है। रोबोट चौराहा से पलासिया तक भी 900 पेड़ों को हटाना होगा। नगर निगम से इसके लिए भी अनुमति मिल चुकी है। एमजी रोड पर मेट्रो अंडरग्राउंड हो जाएगी। वहां भी करीब इतने ही पेड़ बाधक बन रहे हैं। उन्हें हटाने के लिए निगम को आवेदन दिया है। हालांकि अभी वहां का काम शुरू होने में समय लगना तय है, इसलिए वहां के लिए अभी तक निगम ने अनुमति भी जारी नहीं की है।

8.8 किलोमीटर में बनना है अंडरग्राउंड ट्रैक

मेट्रो का अंडरग्राउंड ट्रैक 8.8 किलोमीटर में बनना है। यह रीगल से एयरपोर्ट तक होगा। इसमें सात स्थानों पर स्टेशन बनेंगे। इस हिस्से में बसाहट व प्रमुख बाजार होने के कारण मेट्रो को अंडरग्राउंड ले जाने की योजना है। जमीन के नीचे बनने वाले स्टेशनों के ऊपरी हिस्से में प्रवेश व निकासी मार्ग, आसपास की इमारत व वेंटिलेशन के जमीन की जरूरत होगी। रीगल टॉकिज चौराहा, निगम मुख्यालय परिसर, मल्हारगंज क्षेत्र, बड़ा गणपति चौराहा, रामचंद्र नगर चौराहा और एयरपोर्ट के पास अंडरग्राउंड स्टेशन बनना हैं।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के कोर्सेस में पांच साल में सबसे कम आवेदन

इंदौर। गलत मोबाइल नंबर और ई-मेल देने के चलते कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) पीजी काउंसिलिंग में कम पंजीयन हुए थे। विद्यार्थियों की समस्या को देखते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने रजिस्ट्रेशन के लिए अतिरिक्त समय दिया। बावजूद इसके बेहद कम छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय से संचालित पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर रुचि दिखाई है। 27 दिन के भीतर सिर्फ 2200 से ज्यादा विद्यार्थियों ने पसंदीदा पाठ्यक्रम को लेकर आवेदन किया है। यह आंकड़े पिछले पांच साल में सबसे कम है। सीयूईटी पीजी की परीक्षा के दौरान सैकड़ों विद्यार्थियों ने मोबाइल नंबर और ईमेल गलत दर्ज कराए थे। इसके चलते विश्वविद्यालय की काउंसिलिंग के संबंध में अधिकांश विद्यार्थियों को जानकारी नहीं मिली सकी। विश्वविद्यालय ने पहले 13 से 31 मई के बीच पंजीयन की प्रक्रिया रखी थी।उस दौरान 43 पाठ्यक्रम की 1400 सीटों के लिए महज 1942 आवेदन आए थे। बाद में अभिभावकों और विद्यार्थियों की गुहार पर विश्वविद्यालय ने आवेदन के लिए अतिरिक्त समय दिया। 9 जून तक रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक खुली रखी। अभी 2200 से अधिक विद्यार्थियों ने पीजी कोर्स को लेकर पंजीयन करवाया है। सीयूईटी समन्वयक डॉ. कन्हैया आहूजा का कहना है कि 1400 सीटों की तुलना में 2200 से अधिक आवेदन पर्याप्त है। वैसे 19 जून को काउंसिलिंग का पहला चरण रखा जाएगा।

43 पीजी कोर्स की 1400 सीटें

विश्वविद्यालय के 17 विभागों से संचालित पाठ्यक्रम में सीयूईटी काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। 43 पीजी कोर्स की 1400 सीटें है। 17 एमबीए, 6 एमई, एमएससी इंडस्ट्रियल माइक्रो बायोलाजी, लाइफ साइंस, डाटा साइंस, गणित, डाटा साइंस लाजिस्टिक्स, स्टैटिटिक्स, 3 एमटेक, एलएलएम, एम फार्मा सहित अन्य कोर्स शामिल है। ये कोर्स आइआइपीएस, आइएमएस, कामर्स, ईएमआरसी, पत्रकारिता, इकानोमिक, कम्प्यूटर साइंस विभागों से संचालित होते हैं। सीयूईटी पीजी की परीक्षा देने वाले 40 हजार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में रूचि दिखाई है।

रेलवे कोच में बैग और बोरे में मिली महिला की लाश

इंदौर। इंदौर रेलवे स्टेशन पर एक महिला की दो टुकड़ों में लाश मिली है। एक हिस्सा ट्रॉली बैग और शरीर का दूसरा हिस्सा बोरे में रखा गया था। महिला की पता नहीं चल पाया है। पुलिस को आंशका है कि महिला की हत्या दूसरी जगह की गई और ट्रेन में लाश को ठिकाने लगाने के लिए रख दिया । पुलिस सीसीटीवी कैमरों के जरिए पता कर रही है कि सर बैग और बोरे कौन लेकर आया था।

ट्रेन में लाश का पता उस वक्त चला। जब सफाईकर्मी यार्ड में खड़ी ट्रेन में सफाई करने पहुंचा था। डेमू ट्रेन के दूसरे कोच में सीट के नीचे बैग और बोरा रखा था। सफाईकर्मी ने बोरे में झांक कर देखा तो उसमें शव के टुकड़े नजर आए। उसने तत्काल रेलवे पुलिस को सूचना दी। कोच में पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने देखा कि थैले में कटे हुए हाथ और कमर के नीचे का हिस्सा रखा था। जबकि बैग में पेट के उपर का हिस्सा रखा गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है। शव के टुकड़े धारधार हथियार से किए गए है।

एक दिन पुरानी है लाश लाश में बदबू भी आ रही थी। फोरेसिंक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। अफसरों का कहना है कि लाश एक दिन पुरानी होगी। जिस ट्रेन में लाश मिली। वह महू से इंदौर आई थी। यह डेमू ट्रेन रोज सुबह नागदा जाती है और उससे पहले वह यार्ड में सफाई के लिए खड़ी रहती है। रात को आठ बजे यह ट्रेन महू से इंदौर आती है। पुलिस अफसरों ने ट्रेन के स्टापेज वाले स्टेशनों के फुटेज भी मंगाए है, ताकि शव मिलने की गुत्थी सुलझ सके

होटल रेडिसन में टीवी सीरियल की स्टार कास्ट को परोसे गए खाने के पास मिला काकरोच

शुक्रवार को एक टीवी सीरियल की स्टार कास्ट को परोसे गए खाने के पास काकरोच मिलने के मामले में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी आफ इंडिया ने होटल रेडिसन को नोटिस देकर सात दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। सेंट्रल लाइसेंसिंग अथारिटी की चेतना भिसले ने बताया कि फूड स्टाल के पास काकरोच पाए जाने की शिकायत पर नोटिस दिया है।

लव मेरिज के दो माह बाद दहेज के लिए प्रताड़ित किया, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ और राजेन्द्र नगर में पुलिस ने दो अलग-अलग दहेज के मामले में केस दर्ज किया है। भंवरकुआ में रहने वाली पीड़िता के मुताबिक लव मैरिज के दो माह बाद ही उसे प्रताड़ना मिलने लगी। अनाथ होने के नाम पर सास ने ताने मारे। सूरज से पति ने बेटी होने पर बेटी के साथ अपनी पत्नी को मायके इंदौर भेज दिया। काफी परेशान होने के बाद पीड़िता पुलिस की शरण में पहुंची है।

भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक मुस्कान अग्रवाल ने अपने पति निलेश दम्मानी निवासी बी हाईवे टावर नवलखा और सास उषा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। मुस्कान ने पुलिस को बताया कि 14 दिसंबर 2022 को उसने निलेश से प्रेम विवाह किया। इसके लिए परिवार से अनुमति ली गई थी।

2018 में एक दुर्घटना में माता-पिता की मौत हो चुकी थी तो शादी बुआ ने कराई। दहेज संबंधी पूरा सामान सास के कहे अनुसार दिया। लेकिन शादी के 2 माह बाद ही सास ने ताने मारे कि दहेज में कुछ नहीं लाई। जो दिया वह इतना खास नहीं था। इसके साथ ही अनाथ कहते हुए अपशब्द कहे। मारपीट भी की। पति ने सास के कहने पर घर से धक्के देकर बाहर कर दिया। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

बेटी होने पर घर से निकाल दिया राजेन्द्र नगर पुलिस से ज्योति श्रीमाली ने दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। ज्योति ने बताया कि रविप्रकाश माली निवासी सूरत गुजरात से उसकी शादी अगस्त 2020 में हुई। शादी के दो साल बाद एक बेटी हुई। बेटी होने के बाद पति का व्यवहार बदल गया। वह बेटी होने की बात पर तानाकशी करने लगे। इस दौरान उन्होंने हाथ भी उठा दिया। अगस्त 2023 में परेशान होकर इंदौर आ गई। पति ने कहा कि अगर मेरे साथ रहना है तो 4 लाख रूपए लेकर आओ। इसके बाद परिवार के

14 साल की छात्रा से रेप, फिर ब्लैकमेल करने लगा आरोपी

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में एक नाबालिग छात्रा से रेप करने के मामला सामने आया है। आरोपी ने छात्रा को रास्ते में रोककर खाली पड़ी इमारत में रेप किया। इसके बाद संबंध बनाने के लिये लगातार ब्लैकमेल करने लगा। छात्रा ने यह बात पहले परिवार को बताई। पुलिस के मुताबिक मामला एक सप्ताह पहले का है, लेकिन छात्रा ने शनिवार को इस मामले में केस दर्ज कराया। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 14 साल की छात्रा अपने माता-पिता के साथ थाने पहुंची थी। उसकी

शिकायत पर परिचित विशाल पर केस दर्ज किया गया है। छात्रा ने बताया कि वह बहनों में सबसे छोटी है। कक्षा 8वीं की पढ़ाई कर रही है।

उसने पुलिस को बताया कि दो माह पहले पिता के दोस्त का रिश्तेदार विशाल उनके घर पर आया। यहां उसका छात्रा से परिचय हो गया। 2 जून की दोपहर वह अपनी सहेली के साथ इलाके के गार्डन में गई। गार्डन से लौटते समय रास्ते में विशाल मिला। उसने छात्रा को पास बुलाया। छात्रा कुछ समझ पाती इससे पहले वह एक बंद दुकान में लेकर चला गया।

यहां उसके साथ जबरदस्ती की। फिर धमकी देकर कहा कि किसी को यह बात बताई तो ठीक नहीं होगा। इसके बाद छात्रा ने डर के चलते किसी को कुछ नहीं कहा। लेकिन आरोपी फिर से अपने पास बुलाने के लिये परेशान करने लगा। छात्रा ने यह बात अपने पिता और मां को बता दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

रालामंडल में रेव पार्टी, नशे में मिली लड़कियां, की गई मामूली कार्रवाई

इंदौर। इंदौर के रालामंडल इलाके में शनिवार देर रात एक रेव पार्टी चल रही थी। सूचना मिलते ही आजाद नगर एसीपी आशीष पटले अपनी टीम के साथ पहुंचे और दबिश दी। यहां सौ से ज्यादा लड़के-लड़कियां नशा कर रहे थे। मौके से नशे की सामग्री भी बड़ी मात्रा जब्त की गई है। जिसे लेकर अफसरों ने बड़ी मुहिम छेड़ रखी है। सूत्रों का दावा है कि देर रात राजनीतिक दबाव के कारण कुछ युवक-युवतियों को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया।

इस मामले में धर्मेन्द्र पुत्र जुगलकिशोर निवासी महालक्ष्मी नगर और हर्ष पुत्र हेमंत सुगंधी निवासी श्रीराम इनक्लेव निवासी नानाखेड़ा पर शराब एक्ट को लेकर कार्रवाई की गई। जबकि गाड़ी नबंर एमपी 09एमडब्ल्यू 1084, एमपी09 सीएस7787 और एमपी09डब्ल्यूएल9889 पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई है।

जानकारी के मुताबिक एसपी आशीष पटेल के पास रात में ही कई राजनीतिक से जुड़े लोगों के कॉल आने लगे। इसके चलते रात में युवक युवतियों को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में इकट्?ठा होकर रेव पार्टी की जानकारी पुलिस को भी नहीं लगी।

पुल पार्टी के नाम पर अश्लीलता का आरोप

इंदौर के तेजाजी नगर के बायपास पर स्थित स्काय लाईन रिसोर्ट में एक पुल पार्टी की जानकारी के बाद अश्लीलता फैलाने ओर नाबालिको को इंट्री देने की सूचना पर बजरंगी यहां पहुंचे थे। यहां गेट पर जमकर हंगामा किया। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची। उनहें समझाइश देकर थाने ले गई। इस मामले में स्काय लाईन में पार्टी आगेर्नाइज करने वालो पर केस दर्ज करने की मांग की गई। मांग माने जाने के बाद हंगामा शांत हुआ। मामला तेजाजी नगर के बायपास पर स्थित स्काय लाईन रिसोर्ट का है। यहां बजरंग दल के संयोजक राम दांगी ओर अन्य लोगो को पुल पार्टी के आयोजन की सूचना मिली थी। जिसमें पता चला था कि यहां नाबालिको को इंट्री देने के साथ शराबखोरी कराई जा रही है। वही देवास का इम्तियाज इसका कर्ताधर्ता है। उस पर पहले भी केस दर्ज है। हंगामे के बीच रिसोर्ट के मैनेजमेंट ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर कारवाई को लेकर हिंदूवादी अड़े रहे। बाद में शिकायती आवेदन के बाद केस दर्ज करने की बात की गई। जिसमें बजरंगी वहां से निकल गए। स्काइ लाईन रिसोर्ट में पहले भी अश्लीलता को लेकर हंगामा हो चुका है। यहां हिंदूवादियों ने पहले जमकर तोड़फोड़ की थी। इस मामले में हिंदूवादियों नेताओं पर केस दर्ज किया गया था। इसके फुटेज भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। हालाकिं बाद में बड़े नेताओं के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया था।

मांगलिया रेस्टारेंट सील, देर रात तक परोसी जा रही थी शराब

जिला प्रशासन ने शनिवार देर रात एक रेस्टारेंट पर कार्रवाई की। यहां ग्राहकों को खुलेआम शराब परोसी जा रही थी। प्रशासन ने रेस्टारेंट को सील कर दिया है।

दरअसल सूचना दी थी कि मांगलिया बायपास स्थित केंडेलास रेस्टारेंट में रोज देर तक ग्राहक रहते हैं और इन्हें शराब परोसी जाती है। इस पर टीम ने पहले इसकी तस्दीक की। फिर शनिवार रात को आबकारी विभाग, पुलिस, प्रशासन की टीम पहुंची तो यहां कई ग्राहक मौजूद थे। इस दौरान कई ग्राहकों को शराब परोसी जा रही थी। पुलिस ने कर्मचारियों से पूछताछ की तो वे कोई जवाब नहीं दे सके। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेस्टारेंट बंद करने के साथ सील कर दिया। बार लाइसेंस को लेकर छानबीन चल रही है।

नर्सिंग घोटाले को लेकर प्रदर्शन करने वालों पर वाटर कैनन का प्रयोग, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

युवा कांग्रेस ने घेरा मंत्री सारंग का बंगला, पुलिस से धक्का-मुक्की

भोपाल। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज में हुए घोटाला की जांच सीबीआई कर रही है। इसे लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर रही है। रविवार को एमपी के युवा खेल और कल्याण मंत्री विश्वास सारंग का बंगला घेराव करने पहुंचे युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव को कार्यकताओं के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके पहले युवक कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई।

युवा कांग्रेस के कार्यकार्ताओं को मंत्री के बंगले के पहले रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग किया है। इसके बाद भी कार्यकर्ता अध्यक्ष के साथ आगे बढ़ रहे थे। युवक कांग्रेस की प्रदर्शन की चेतवानी के बाद प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली थी। प्रशासन ने प्रदर्शनकरियों को रोकने के लिए रास्ते भर में कई बैरिकेडिंग किए गए। बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया। वाटर कैनन और राइट कंट्रोल व्हीकल भी तैनात किए गए थे। **झड़प में कई कार्यकर्ता हुए घायल** मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष आकाश चौहान ने बताया कि युवा कांग्रेस मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग को लेकर शांति पूर्वक प्रदर्शन कर रही थी, परंतु पुलिस ने युवा कांग्रेस की आवाज को दबाने और मंत्री को बचाने के लिए बलपूर्वक हमला किया, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं। युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने कहा कि नर्सिंग घोटाले में तत्कालीन चिकित्सा विश्वास सारंग और तत्कालीन कई वरिष्ठ अधिकारी एवं भाजपा के बड़े नाम शामिल हैं, इसलिए सरकार मामले में लीपापोती कर दोषियों को बचाने का काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मितेन्द्र सिंह, मीडिया विभाग अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी, प्रदेश महासचिव विरेंद्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष नरेंद्र यादव, आकाश चौहान, लोकेन्द्र शर्मा, राहुल मण्लोई, रवि परमार रोहित राजौरिया, फैज बैग, नरेन्द्र बघेल, चेतन साहु एवं सैकड़ों संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नियमों को ताक पर रखकर चल रहे थे नर्सिंग कॉलेज मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों के घोटाले की परतें लगातार खुल रही हैं। यहां के अधिकतर नर्सिंग कॉलेज नियमों को ताक पर रखकर कागजों पर चल रहे थे। मामले की जांच कर रही एसबीआई के अधिकारियों ने भी घूसखोरी कर ऐसे कॉलेज को क्लीन चिट दे दी थी। मामला उठने पर हाइकोर्ट ने अवैध तरीके से चल रहे प्रदेश के 66 नर्सिंग कॉलेज को सील करने के आदेश दिए थे। वहीं आशंका है कि अभी भी कई और नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं, जिनकी जांच होनी चाहिए। ऐसे में युवक कांग्रेस के साथ एनएसयूआई ने इस पर हल्ला बोला है।

महाराणा प्रताप की जयंती पर माल्यार्पण के दौरान हुआ हादसा

क्रेन टूटने से पार्षद समेत दो लोग घायल, मची चीख पुकार

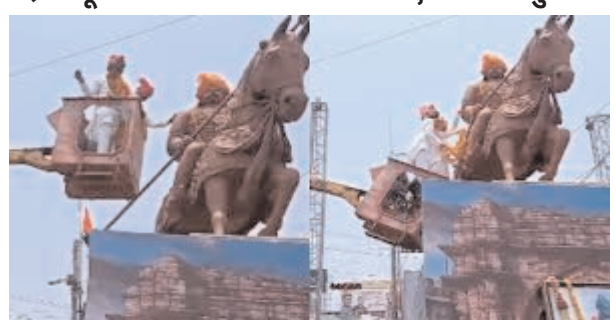

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल के एमपी नगर इलाके में रविवार दोपहर महाराणा प्रताप की जयंती के मौके पर महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान क्रेन टूटने से बड़ा हादसा हो गया। कार्यक्रम के दौरान अचानक क्रेन टूटने से हड़कंप और चीख पुकार मच गई। घटना में पार्षद सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर राजधानी भोपाल के एमपी नगर में महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण का कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम के दौरान भोपाल के वार्ड क्रमांक 66 से कांग्रेस पार्षद जितेन्द्र सिंह राजपूत महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के लिए अपने साथियों के साथ क्रेन पर सवार हुए और जैसे ही क्रेन को ऊंचाई पर ले जाया गया तभी अचानक क्रेन टूट गई। जिसके कारण पार्षद व अन्य काफी ऊंचाई से सीधे नीचे जा गिरे। पार्षद के पैर में आया फ्रैक्चर, तीन लोग अस्पताल में भर्ती कार्यक्रम स्थल पर जैसे ही क्रेन नीचे गिरा चीख पुकार मच गई। तुरंत पार्षद समेत तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों के पैरों में फैक्चर हुआ है और गंभीर चोट भी आई है, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्षद जितेंद्र सिंह राजपूत अपने मामा ऋषि सिंह राजपूत के साथ हाइड्रोलिक लिफ्ट में सवार होकर ऊपर प्रतिमा तक पहुंचे। वह माल्यार्पण करने ही वाले थे, तभी हाइड्रोलिक लिफ्ट क्रैक होकर टूट गई और वह दोनों धड़ाम से नीचे आ गिरे। वहीं आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस दौरान किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

लोकसभा चुनाव में काम नहीं करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाएगी कांग्रेस

पार्टी में रहकर दगाबाजी करने वालों की आज पेश होगी रिपोर्ट

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को मिली बड़ी हार के बाद पार्टी में लगातार मंथन चल रहा है। पार्टी के हार के मुख्य कारण और पार्टी में रहकर दगाबाजी करने वाले पार्टी कार्यकर्ता और नेताओं की रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसे सोमवार की बैठक में पेश किया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश कांग्रेस में बड़ी सर्जरी करने की तैयारी चल रही है। अब कांग्रेस में काम नहीं करने वालों नेताओं और कार्यकर्ताओं को साइड लाइन किया जाएगा। जबकि अच्छा काम करने वालों की जिम्मेदारी बढ़ेगी। बैठक में चुनाव में काम नहीं करने वाले लोगों को बताया जाएगा कि उनकी किस गलती के कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दिल्ली में हुई बैठक में आलाकमान द्वारा दिए गए निर्देश के आधार रणनीति तैयार करेंगे और आगे की कार्य योजना तैयार करेंगे। बैठक में पार्टी के काम को लेकर गंभीरता न बरतने वाले नेताओं को साइड लाइन किए जाने और नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने पर भी निर्णय हो सकता है।

यह जानकारी लेंगे कि किस कारण से हारी पार्टी

बैठक में लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस प्रत्याशियों से यह भी जानकारी ली जाएगी कि आखिर किन कारणों से पार्टी हारी। स्थानीय स्तर पर और प्रदेश स्तर पर सहयोग और असहयोग की स्थिति कहां रही। बाला बच्चन की अध्यक्षता में बनी नौ सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट भी पेश होगी, जिसमें चुनाव संबंधी गतिविधियों को लेकर जानकारी जुटाने टीम बनाई गई थी। इस कमेटी में बाला बच्चन के अलावा सोहन लाल वाल्मीकि, फूल सिंह बरैया, झूमा सोलंकी, नारायण, प्रदीप अहिरवार समेत नौ लोग शामिल हैं।

युवक कांग्रेस की भी होगी बैठक

सोमवार को ही यूथ कांग्रेस यह अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने पदाधिकारी की बैठक बुलाई। वे भी चुनाव में हार की समीक्षा करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह की मौजूदगी में जिलों के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में आगामी कार्य योजना के आधार पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने के साथ काम नहीं करने वालों के नाम सार्वजनिक किए जा सकते हैं। साथ ही उन्हें एक और मौका देकर पार्टी कामों में सक्रिय होने का मौका दिया जा सकता है।

पार्टी नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान पर करेंगे मंथन

मध्य प्रदेश में मिली बड़ी हार के बाद जहां बीजेपी कांग्रेस पर लगातार हमले कर रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी के नेता भी अपने ही पार्टी को घेरने में कमी नहीं छोड़ रहे हैं। कुछ दिन पहले पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर जिम्मेदारी तय करने की बात कह चुके हैं। अजय सिंह ने कहा है कि जब उनके नेता प्रतिपक्ष रहते पार्टी का परफार्मेंस कमजोर रहा था तो उन्होंने इस्तीफा दिया था। अब इतनी बुरी हार मिली है तो जिम्मेदारी तय होना चाहिए। केंद्रीय नेतृत्व को इस पर फैसला करना चाहिए। उधर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा है कि जीतू पटवारी को अभी छह माह का ही समय मिला है। सबको बैठकर हार के कारणों का विश्लेषण करना होगा और काम बांटकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करना होगा।

चेन पुलिंग को लेकर आरपीएफ ने 81 लोगों पर की कार्रवाई

भोपाल। भोपाल रेल मंडल में चेन पुलिंग करने वालों के चलते रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। आरपीएफ अब सख्त रुख अपना रही है। रेल सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण चेन पुलिंग करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) भोपाल मंडल द्वारा स्टेशन पर बिना उचित कारण चैन पुलिंग करने वाले यात्रियों पर कार्रवाई की गई है। ऐसे 81 लोगों के ऊपर जुमार्ना किया गया है।

भोपाल रेलवे स्टेशन में चलाया जागरूकता अभियान रविवार को भोपाल रेलवे स्टेशन पर रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों को सुरक्षित यात्रा की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रशांत यादव के मार्गदर्शन में भोपाल स्टेशन पर जन जागरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म पर गाड़ी की प्रतीक्षा में बैठे यात्रियों, यात्री प्रतीक्षालय रूम तथा गाड़ियों में यात्रियों को बैनर और मेगाफोन के माध्यम से यात्री गाड़ियों में चैन पुलिंग न करने के बारे में जागरूक किया गया। यात्रियों को समझाया गया कि वे समय पर स्टेशन प्लेटफार्म पर आकर, ट्रेन के आगमन पर अपनी-अपनी सीट पर बैठ जाएं, चलती गाड़ी में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें, और अनावश्यक रूप से गाड़ियों में चैन पुलिंग की घटना न करें।

इन गाड़ियों में ज्यादा होती है चेन पुलिंग भोपाल मंडल के अधिकारियों से मेरी जानकारी के अनुसार भोपाल स्टेशन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12854 भोपाल दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस, 19712 भोपाल जयपुर एक्सप्रेस, 14814 भोपाल जोधपुर, और 19324 भोपाल अंबेडकर नगर एक्सप्रेस आदि गाड़ियों में ज्यादातर चेन पुलिंग संबंधी घटनाएं यात्रियों द्वारा की जाती हैं।

कई शहरों में हुई प्री मानसून की बारिश

प्रदेश में आंधी तूफान के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्री मानसून की बारिश का दौर जारी है। रविवार को शाम के समय कई जिलों में बारिश हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। रतलाम, धार और छिंदवाड़ा में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार- झाबुआ, अलीराजपुर, बैतूल, हरदा, देवास और पांढुर्णा में मध्यम गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि होने और 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। इसी तरह उज्जैन, अशोकनगर, मंदसौर में बिजली के साथ हल्की गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। आगर, इंदौर, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, विदिशा, रायसेन, पूर्वी खंडवा, बड़वानी के बावनगजा, खरगोन, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, सिवनी, मंडला और दक्षिण बालाघाट जिले रात के समय में आंधी-बारिश हो सकती है। वहीं प्रदेश का सबसे गर्म शहर दमोह रहा जहां का तापमान 44.5 दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर पृथ्वीपुर का तापमान 44.2 दर्ज किया गया। इसलिए हो रही मध्य प्रदेश में बारिश मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से मध्यप्रदेश में आंधी और बारिश का दौर चल रहा है। कई जिलों में बारिश भी हुई।

हाइड्रोलिक और रिमोट कंट्रोल्ड रथ में विराजेंगे जगन्नाथजी

जरूरत के हिसाब से ऊंचा और नीचा किया जा सकेगा रथ

भोपाल। इस्कान भोपाल बीवायसी (भेल) सात जुलाई रविवार को जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा महारानी की रथयात्रा निकालेगा। इस्कान भोपाल बीवायसी के अध्यक्ष रसानंद दास ने बताया कि रथयात्रा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म क्रमांक एक के सामने से शुरू होगी। रथयात्रा के कई आकर्षण होंगे, लेकिन हाइड्रोलिक रिमोट कंट्रोल्ड रथ सबसे खास होगा। इस रथ को जरूरत के हिसाब से ऊंचा और नीचा किया जा सकता है। यदि रास्ते में बिजली के तार या छोटे पेड़ आते हैं तो इसे नीचे करने के उपरांत फिर से ऊंचा किया जा सकता है। इसके अलावा रथयात्रा में घोड़े, बग्गी, ऊंट, बैंड, कीर्तन पार्टी आकर्षण का केंद्र होंगे।

रथ यात्रा के पहले भगवान जगन्नाथ को पांच सौ से ज्यादा भोग अर्पित किए जाएंगे। इन्हें भक्त गण अपने घर से बनाकर लाएंगे। रथयात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को स्नान कराया जाएगा। इसके बाद से भगवान बीमार हो जाएंगे और वो 14 दिन क्वारेंटीन रहेंगे। इस दौरान उन्हें औषधीय काढ़ा और भोग लगाए जाएंगे। इसके लिए तरह-तरह की जड़ी बूटी भी मंगवाई गई हैं। भगवान को पहनाने और रथ को सजाने के लिए विशेष पुष्प शृंगार होगा। इसके लिए मुंबई, पुणे और नासिक से विशेष फ्लॉवर मंगवाए जा रहे हैं।

यह रहेगा यात्रा मार्ग रथयात्रा दोपहर एक बजे रानी कमलापति रेलवे प्लेटफार्म क्रमांक एक के सामने से शुरू होगी, जो सात नंबर चौराहा, नेशनल अस्पताल, प्रियदर्शनी मार्केट, बिटटन मार्केट , 1100 क्वार्टर, गणेश मंदिर, शैतानसिंह चौराहा, शाहपुरा सेक्टर ए, त्रिलंगा, रोहित नगर से होती हुई अपोलो सेज अस्पताल के पास बावड़िया कलां चौराहा पर समाप्त होगी। समापन स्थल दस हजार लोगों का भंडारा रखा गया है। रथयात्रा के बाद वहां रथयात्रा में आए भक्त भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद पाएंगे।

मुंबई और पुणे से विशेष टीम आएगी रंगोली बनाने रथ से दौ सौ मीटर आगे आकर्षक और बड़ी-बड़ी रंगोली बनाई जाएगी। रंगोली बनाने के लिए मुंबई और पुणे से विशेष टीम आएगी। ये टीम अपने साथ रंगोली और कई चीजें लाएंगे। रंगोली टीम की विशेषता है कि ये पंद्रह मिनट में दस मीटर की रंगोली बना देते हैं और उसे विभिन्न रंगों से सजा देते हैं। इस अवसर पर भक्तों के बच्चे कृष्ण-बलराम, राधा-कृष्ण, सीताराम हनुमान, चैतन्य महाप्रभु आदि का रूप धारण करके रथयात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। बच्चों के बैठाने के लिए बग्घी एवं अन्य गाड़ियां भी रखी गई हैं।

5 हजार केले, 200 किलो मीठी बूंदा का प्रसाद यात्रा में रास्ते भर विभिन्न प्रकार के फलों का वितरण होगा। सामाजिक सहयोग से पूरे समय 5 हजार केले व अन्य फल वितरित किया जाएगा। ऐसे अलावा 200 किलो मीठी बूंदी का प्रसाद भी भक्तों को बांटा जाएगा।

विभिन्न जिलों से आएगी कीर्तन पार्टी रथयात्रा के लिए वृंदावन, सीहोर, गंजबासौदा, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, हरदा, भोपाल की कीर्तन पार्टी आएंगी जो रास्तेभर में कीर्तन करते हुए चलेंगी। इस्कॉन परिवार से संबंधित यह कीर्तन पार्टीज पूरे प्रदेश में अपने कीर्तन के लिए मशहूर हैं।

हाथी, घोड़े, बैलगाड़ी करने अगवानी भगवान जगन्नाथ जब परिवार भ्रमण के लिए निकलेंगे तो उनके रथ के आगे बैलगाड़ियां, ऊंट, घोड़ा बग्गियां होंगी। भगवान के रथ के आगे इस्कॉन गर्ल्स फोरम व वैष्णवी फोरम की सदस्य नृत्य करते हुए चलेंगी। इनके बाद इस्कॉन यूथ फोरम के सदस्य कीर्तन और नृत्य करेंगे। रथयात्रा के लिए इस्कॉन के विभिन्न फोरम के सदस्यों ने ड्रेस कोड तय किया है। माताजी लोगों के लिए विशेष साड़ी वहीं युवतियों के लिए गोपी ड्रेस व प्रभुजियों के लिए वैष्णव धोती कुर्ता ड्रेस कोड रखा गया है। इसके अलावा जगन्नाथजी विशेष कैप भी रखी गई है। इन फोरम के सदस्य एक साथ भगवान को प्रसन्न करने के लिए नृत्य और कीर्तन करेंगे।

सुरक्षा में होगी पुलिस और निजी गार्ड यात्रा को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की टीम सक्रिय रूप से साथ होगी इसके अलावा दस प्राइवेट सिक्युरिटी गार्ड भी सेवाएं देंगे। इनके अलावा इस्कॉन के वरिष्ठ सदस्य भी रथयात्रा के संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कचरा उठाकर रास्ता भी साफ करेंगे भक्तजन रथयात्रा के सबसे आखिर में भक्तजन पूरे रास्ते रथयात्रा के दौरान होने वाले कचरे को साफ करते हुए चलेंगे ताकि क्लीन भोपाल के नारे को बरकरार रखा जा सके। इसके लिए इस्कॉन के वॉलिंटियर्स झाड़ू लेकर मोर्चा संभालेंगे।

साम्पदकीय

मई में गर्मी ने तोड़ा 36 साल का रिकॉर्ड, मतदान को भी किया प्रभावित

इस साल पूरे भारत में अप्रैल महीने का औसत अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह 2004 (35 डिग्री सेल्सियस), 2009 (35.5 डिग्री सेल्सियस) और 2014 (35.3 डिग्री सेल्सियस) के चुनावी वर्षों में देखे गए तापमान से ज्यादा था, लेकिन 2019 में दर्ज किए गए रिकॉर्ड 35.7 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम था।

पिछले 6 हफ्तों में देश में लोकसभा चुनाव हुए। इस दौरान देश के ज्यादातर राज्यों में भीषण गर्मी पड़ी। चुनाव आयोग ने भी इसे लेकर चिंता जताई। वहीं मौसम विभाग ने मई में गर्मी को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस साल मई महीना 36 साल में सबसे गर्म रहा। यानी मई में गर्मी ने पिछले 36 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस साल अप्रैल और मई दोनों महीनों में अधिकतम तापमान बहुत ज्यादा दर्ज किया गया और कई स्टेशनों पर रिकॉर्ड टूट गए। इस साल पूरे भारत में अप्रैल महीने का औसत अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह 2004 (35 डिग्री सेल्सियस), 2009 (35.5 डिग्री सेल्सियस) और 2014 (35.3 डिग्री सेल्सियस) के चुनावी वर्षों में देखे गए तापमान से ज्यादा था, लेकिन 2019 में दर्ज किए गए रिकॉर्ड 35.7 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम था। इस साल मई में औसत अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मई 1988 के बाद सबसे ज्यादा है, तब औसत अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मई में कई स्टेशनों ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए। 31 मई को, अलवर में 46.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो वहां का चौथा सबसे ज्यादा तापमान है। उसी दिन, बिलासपुर में 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मई में वहां का पांचवां सबसे ज्यादा तापमान है। वहीं बुलंदशहर में 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मई में वहां का दूसरा सबसे ज्यादा तापमान है। यहां तक कि पहाड़ी इलाके देहरादून में भी हाल ही में 43.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो वहां मई में दर्ज किया गया अब तक का तीसरा सबसे ज्यादा तापमान है। दक्षिण भारत के इलाकों में शुरुआत से ही ज्यादा गर्मी पड़ी। लेकिन बाद में उत्तर भारत में असहनीय गर्मी महसूस की गई। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा के मुताबिक शुरुआती गर्मी (मार्च से अप्रैल) के दौरान, महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों जैसे इलाकों में ज्यादा तापमान रहता है क्योंकि उस दौरान सूर्य सीधा इन इलाकों के ऊपर होता है, जिससे तेज धूप पड़ती है। जब सूर्य उत्तर की ओर जाता है, तब यह स्थिति बदलती है। बाद के दिनों (मई से जून) में सूर्य लगभग सीधे उत्तरी भारत के ऊपर होता है, जिससे इन क्षेत्रों में काफी ज्यादा गर्मी पड़ती है। आईएमडी ने पहले ही अनुमान लगाया था कि देश के ज्यादातर इलाकों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक जैसा कि इस बार देखा गया, ज्यादा तापमान मतदान प्रतिशत को प्रभावित करने वाला एक बड़ा कारक है, जिससे मतदान कम हो जाता है। आम मतदाताओं के साथ-साथ उच्च-मध्यम वर्ग के मतदाता भी अत्यधिक गर्मी या ठंड के दौरान मतदान करने से बचते हैं। देश के कई हिस्सों में अप्रैल के साथ-साथ मई में भी 40-45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया गया था। हालांकि, मतदान कम होने के पीछे अन्य कारण भी हो सकते हैं। प्रथम चरण के चुनाव के बाद, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया और पहली बार चुनाव के शेष चरणों के लिए अनुकूलित हीटवेव पूर्वानुमान पेश किया। दूसरे चरण में मतदान वाली सीटों के लिए 2019 के आंकड़ों की तुलना में मतदाता मतदान में लगभग 3 प्रतिशत की कमी देखी गई , और 19 अप्रैल को पहले चरण में 4.5 प्रतिशत अंकों की गिरावट देखी गई। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले चरण में उन्हीं 102 सीटों के लिए लगभग 66.1त्न मतदान का निराशाजनक मतदान दर्ज किया गया, जबकि दूसरे चरण में 89 सीटों के लिए 60.9त्न मतदान हुआ। भारतभर में मतदान में यह गिरावट पहले चरण में मतदान करने वाले 21 राज्यों में से 19 में स्पष्ट थी, जिसमें बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड सहित हिन्दी पट्टी के राज्यों और शेष भारत (तमिलनाडु और महाराष्ट्र) में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। उत्तरप्रदेश के बिजनौर और बिहार के नवादा में पहले चरण में तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस से अधिक की वृद्धि के साथ मतदान में 7.42त्न और 6.44त्न की गिरावट आई, जबकि राजस्थान के गंगानगर और जयपुर ग्रामीण में मतदान में क्रमशः 8.11त्न और 8.69त्न की गिरावट आई, भले ही तापमान 2019 की तुलना में 2.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गिर गया हो। उत्तर प्रदेश के रामपुर में मतदान के दिन 2019 की तुलना में मौसम थोड़ा ठंडा होने के बावजूद मतदान प्रतिशत में 7.32त्न की गिरावट देखी गई। नितिन गडकरी की नागपुर सीट पर भी मतदान में गिरावट देखी गई।

मध्यप्रदेश में खास रही स्त्री शक्ति की भूमिका

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। ह्यमोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदीह्न यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं। संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व, भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया।

हमारी संवैधानिक बुद्धिमता और विवेक...

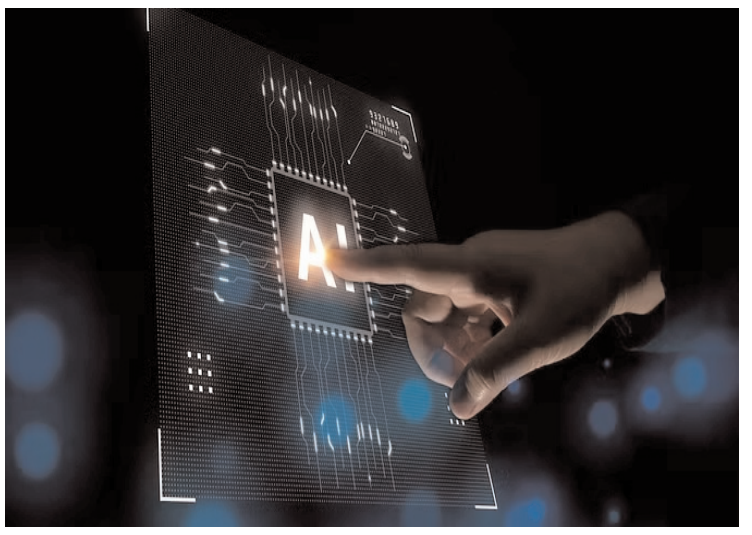

क्या मनुष्य के मनुष्य के प्रति ही लिए जाने वाले सारे महत्वपूर्ण निर्णय कृत्रिम बुद्धिमता विकृत नहीं करेगी? क्या गरिमा, न्याय, समानता, संवेदना, सहानुभूति और भावना जैसे संवैधानिक मूल्यों का कोई आधार होगा? या फिर मशीनी पैटर्न, तार्किक संजाल या फिर एल्गोरिदम को आधार बनाया जाएगा?

भारत बीते दो दशकों में तकनीक संपन्न राष्ट्र के तौर पर उभरा है। दुनिया के बाजार में राष्ट्र की आईटी की ताकत और मानव संसाधन की शक्ति बढ़ी है। डिजिटल इंडिया के प्रसार के बीच आज करोड़ों भारतीय मोबाइल का प्रयोग कर रहे हैं। हर हाथ में स्मार्टफोन है और हर व्यक्ति डिजिटल सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा है। टेक्नॉलॉजी ने समाज और प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर अनिवार्य उपस्थिति दर्ज कराई है। देश डिजिटल क्रांति से गुजरता हुआ आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दहलीज पर खड़ा है। दरअसल, पूरी दुनिया में इस वक्तआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दस्तक है। भारत में कृत्रिम बुद्धिमता और उससे उपजने वाली चुनौतियों की आहट दर्ज हो रही है। अभी भारत डिजिटल संसार के संकट, समस्याओं और चुनौतियों से जूझ ही रहा है और राष्ट्र के सामने डीपफेक, साइबर क्राइम और युद्ध नई समस्याएं हैं जबकि दुनिया का भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समानांतर नए सिरे से ढूंढा जा रहा है। आगे की तस्वीर विश्व के दिग्गज टेक्नॉलॉजी विशेषज्ञों, रोबोटिक साइंस के जानकार और आईटी क्षेत्र सहित बड़ी वैश्विक पूंजीधारक कंपनियां गढ़ने जा रही हैं।

आज बतौर एक विकासशील राष्ट्र देश सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विषमता और असंतुलन के बीच है। आजादी के बाद से हम विविधतापूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे में संवैधानिक बुद्धिमता और चेतना हासिल करने का संघर्ष कर रहे हैं। संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर संवैधानिक बुद्धिमता और चेतना पर बहुत जोर देते थे। बाबा साहेब की इच्छा थी कि संस्कृति, समाज, धर्म और जातिगत् विविधता के विषम और विसंगतिपूर्ण भारतीय समाज में संवैधानिक साक्षरता फैले। देश का नागरिकता बोध संवैधानिक बुद्धिमता से संपन्न हो। जनता संविधान को लेकर जागरूक हो। राष्ट्र में संविधान लागू केवल कागजों में ही लागू ना हो बल्कि संवैधानिक मूल्य व्यवहारिक रूप से भारतीय समाज की चेतना और संस्कार का हिस्सा बनें।

दरअसल, संवैधानिक बुद्धिमता और चेतना से बाबा साहेब का तात्पर्य एक ऐसी दृष्टि को लेकर रहा जो राष्ट्र के नागरिकों को यह देखने में मदद करती है कि कब, कहां, कैसे और क्यों न्याय, समता, स्वतंत्रता, गरिमा, बंधुता के मूल्यों की उपेक्षा होती है। आज आजादी की 7 दशकों की लंबी यात्रा के बाद 21वी सदी का भारत विश्व में मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। हिंदुस्तान आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है। भारत में बीते दो दशकों में राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक हर आयाम में बदलाव हुआ है। देश में परिवर्तन की सबसे बड़ी धुरी विज्ञान, प्रौद्योगिकी और हालिया दौर की डिजिटल क्रांति रही है। लेकिन आज डिजिटल क्रांति से भी बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी की कृत्रिम बुद्धिमता की चुनौती हमारे नागरिक चेतना व बुद्धिमता के सामने है। संवैधानिक बुद्धिमता के समानांतर कृत्रिम बुद्धिमता को यदि सरल शब्दों में समझें तो इसका अर्थ है मशीनी बुद्धि से निर्णय लेने की क्षमता। ऐसी काबिलियत जिसे मनुष्य मष्तिष्क के समानांतर मशीन के माध्यम से विकसित किया गया है। एक ऐसा निर्णय जिसे किसी भी स्तर पर एक झटके में मशीन तो ले लेगी लेकिन जिसे लेने के लिए मनुष्य अपनी बुद्धि, क्षमता, विवेक, चेतना, संवेदना, भावना व तर्क की कसौटी का उपयोग करता है।

आज चैट जीपीटी, बार्ड सहित अक के कई मॉडल्स दुनिया को नए सिरे से गढ़ रहे हैं। विजुअल एआई, इंटरैक्टिव एआई, एनालिटिक एआई फंक्शनल एआई के बढ़ते प्रयोग और प्रभाव ने विश्व के वैज्ञानिक, बुद्धिजीवी और यहां तक की राजनीतिज्ञों को सतर्क कर दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक ओर जहां रोजगार का वैश्विक संकट खड़ा किया है तो वहीं एक संकट मनुष्य की बुद्धिमता और चेतनागत व्यवहार को लेकर भी सामने आ रहा है। एआई के आने और उसके विस्तार व व्यवस्था में हस्तक्षेप के बीच भविष्य में भारत के सामने एक नहीं कई चुनौतियां सामने होंगी। कुछ बड़े ज्वलंत सवाल कृत्रिम बुद्धिमता और संवैधानिक बुद्धिमता के समानांतर सामने होंगे - क्या भारत की राजनीतिक, प्रशासनिक और न्याय प्रणाली व नागरिक व्यवस्था संवैधानिक बुद्धिमता से चलेगी या फिर कृत्रिम बुद्धिमता से संचालित होगी?

क्या मनुष्य के मनुष्य के प्रति ही लिए जाने वाले सारे महत्वपूर्ण निर्णय कृत्रिम बुद्धिमता विकृत नहीं करेगी? क्या गरिमा, न्याय, समानता, संवेदना, सहानुभूति और भावना जैसे संवैधानिक मूल्यों का कोई आधार होगा? या फिर मशीनी पैटर्न, तार्किक संजाल या फिर एल्गोरिदम को आधार बनाया जाएगा?

विविधता से भरे देश में एक वृहद मनुष्य समाज की भलाई, उसकी सुख-सुविधाओं, संसाधनों के वितरण में संवैधानिक मूल्यों के बोध का अभाव खतरा नहीं बनेगा? जो कि पहले से ही मौजूद है। अवसरों की असमानता, रोजमर्रा के जीवन में चोटिल होती गरिमा, बाधित होता न्याय यह सबकुछ इसी चमकते भारत की गलियों में रोजाना का हिस्सा है तो आखिर ऐसे में एक मशीनी रोबोट डेटा और प्राप्त सूचना के आधार पर कितना निष्पक्ष और समता दृष्टि से संचालित होगा?

न्याय, रोजगार का अधिकार, गरिमा के साथ जीने का अधिकार कितना हासिल होगा जो कि पहले ही नहीं है। आखिर लोककल्याण की भावना का निर्वहन कैसे होगा? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मनुष्य को समझेगी कैसे? खासकर एजीआई यानी की आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस जिसके खतरे ज्यादा बड़े हैं। देखा जाए तो अभी तो मनुष्य ही मनुष्य के प्रति संवेदनहीन हुआ जा रहा है? क्रूरता, जघन्यता, अन्याय, परस्पर सहिष्णुता का अभाव, कट्टरता की भावना काम कर रही है तो आखिर ऐसे में कृत्रिम बुद्धिमता संवैधानिक बुद्धिमता की तरह निर्णय ले पाएगी? और उन संवैधानिक मूल्यों का ध्यान रख पाएगी जिसकी आज हमारे समाज में सबसे ज्यादा आवश्यकता है। जाहिर है डिजिटल दुनिया के आभासीय संसार में जी रहा मनुष्य समाज बीते एक दशक में कितना संवदेनहीन और विचार शून्य हुआ है यह किसी से छिपा नहीं है। आखिर एआई कितना और कैसा प्रभाव मनुष्य की चेतना पर डालेगा यह एक गंभीर प्रश्न है।

सवाल यह भी उठता है कि क्या एक मनुष्य दूसरे के साथ सद्भावनापूर्ण, प्रेम और करुणा जैसे मूल्यों से शांतिपूर्ण तरीके से आपसी व्यवहार करेगा या फिर वह एक सब्जेक्ट, टास्क और टारगेट बन जाएगा।

क्या हमारा राष्ट्र और समाज नैसर्गिक, नैतिक मूल्यों के साथ संवैधानिक मूल्यों को अपनाकर जीवन को खुशहाल बना पाएगा? या फिर हम सब बतौर नागरिक, एक समाज के रूप में एक मोहल्ला, मकान नंबर, पहचान-पत्र, वित्तीय, जातीय, धार्मिक, प्रोफेशनल पहचान से जाने जाएंगे जो एक मशीन में फीड है?

क्या हम किसी मेटा या गूगल जैसी कंपनी के लिए एक वोटर, खाने-पीने, शॉपिंग करने के तौर-तरीकों, रुचियों के रूप में एक उपभोक्ता डेटा में तब्दील होने जा रहे हैं? (कुछ हद तक हो ही चुके हैं) और अब हमारे जीवन के सारे निर्णय इसी आधार पर एक मशीन लेने जा रही है? आखिर अशिक्षित, असाक्षर, तकनीकी रूप से विपन्न व इंटरनेट साक्षरता के अभाव में जी रही देश की एक बड़ी आबादी के पास एआई किस रूप में प्रभाव डालेगा? एक देश जिसके पास आज भी रोजगार और कुपोषण, भुखमरी जैसे बड़े सवाल सामने हैं

... तो 2029 में भी मुश्किल रहेगी कांग्रेस की राह

लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है, जबकि राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस ने 99 सीटें हासिल की हैं और वो दूसरे नंबर पर है। शेष अधिकांश सीटें क्षेत्रीय दलों के खाते में गई हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अगले पांच साल सत्ता में रहेगा, यह करीब-करीब साफ है।

वर्ष 2029 में कांग्रेस के लिए कोई संभावना बनेगी, यह वर्तमान प्रदर्शन को देखकर थोड़ा मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि कांग्रेस की सीटें तो बढ़ी हैं, लेकिन भाजपा से सीधे मुकाबले में वो पीछे है। आज भी कई राज्यों में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों की बी-टीम बनी हुई है, जबकि भाजपा अब पैन इंडिया पार्टी बन चुकी है। भाजपा पंजाब और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अपने ए-पार्टनर को छोड़कर अकेली चल रही है। ओडिशा में बीजू जनता दल को छोड़कर वो राज्य में सरकार बना रही है।

पहले कांग्रेस की बात करते हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस को 44 और वर्ष 2019 में 52 सीटें मिली थीं। इस बार उसकी सीटें बढ़ी हैं, लेकिन पंजाब (7) और केरल (13) को छोड़कर कहीं भी कांग्रेस अपने बलबूते पर किसी भी राज्य में सबसे बड़ा दल नहीं बन सकी है। हिंदी पट्टी में तो कांग्रेस वर्षों से बी-पार्टनर बनी हुई है। बिहार में कांग्रेस को तीन सीटें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उत्तर प्रदेश में छह सीटें समाजवादी पार्टी (सपा) के कारण मिली हैं।

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने सबसे अधिक 13 सीटें जरूर जीती हैं, लेकिन यहां भी शरद पवार और उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन था। जिन राज्यों में कांग्रेस अकेले दम पर लड़ी, वहां वो या तो भाजपा से पीछे रह गई या बराबर रही। भाजपा से सीधी टक्कर वाले राजस्थान में कांग्रेस को 8 (भाजपा को 14), कर्नाटक में 9 (भाजपा को 17), असम में 3 (भाजपा को 9), हरियाणा में 5 (भाजपा को 5), तेलंगाना में 8 (भाजपा को 8) सीटें मिलीं।

कांग्रेस का जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में खाता नहीं खुला है। गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 1-1 सीट ही मिली, जबकि झारखंड में 2 सीटें मिलीं। कांग्रेस को देशभर में इस चुनाव में 13.7 करोड़ (21.19 प्रतिशत) वोट मिले हैं, जो भाजपा से काफी कम हैं। भाजपा को देश में 23.6 करोड़ (36.56 प्रतिशत) वोट मिले हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन की बात करें तो पार्टी की वर्ष 2019 में 303 सीटें थीं, जो उसका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस चुनाव में पार्टी ने इन 303 में से 208 सीटें पुनः जीती हैं, यानी उसने 68 प्रतिशत अपनी सीटें वापस पा ली हैं। देश में 33 सीटें ऐसी रहीं, जहां भाजपा के प्रत्याशियों को विजय उम्मीदवारों से मात्र 6 लाख वोट काम मिले, जैसे चंडीगढ़ में पार्टी मात्र 2504 वोटों से हारी।

वर्ष 2019 के मुकाबले पार्टी ने 32 नई सीटें जीतीं और वो पैन इंडिया पार्टी बन गई। ओडिशा में 12, तेलंगाना में 4, महाराष्ट्र में 3, आंध्र प्रदेश में 3, पश्चिम बंगाल में 2, बिहार में 1, दादर नगर हवेली में 1, छत्तीसगढ़ में 1, अंडमान और निकोबार में 1, उत्तर प्रदेश में 1, मध्य प्रदेश में 1, कर्नाटक में 1 और केरल में एक सीट भाजपा ने नई जीती है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। यदि इन राज्यों में पार्टी अपना पिछला प्रदर्शन ही दोहरा देती तो 300 सीटों से अधिक पर होतीं। मध्य प्रदेश में भले पार्टी को सभी 29 सीटें मिली हैं, लेकिन वोट प्रतिशत कम हुआ है। गुजरात में पार्टी ने 26 में से 25 सीटें जीती हैं, लेकिन वोट प्रतिशत गिरा है। राजस्थान में पार्टी इस बार 25 में से 14 सीटें ही जीत सकी और उसके वोट प्रतिशत में गिरावट आई है। पश्चिम बंगाल में पार्टी 42 में से 12 सीटें ही जीत सकी। महाराष्ट्र में पार्टी ने पिछले चुनाव में 23 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार वो मात्र 9 सीटों पर सिमट गई। यदि ओडिशा में पार्टी ने 21 में से 20, छत्तीसगढ़ में 11 में 10, दिल्ली में सभी 7, उत्तराखंड में सभी 5, हिमाचल प्रदेश में सभी 4 सीटें नहीं जीती होतीं तो 200 सीटें हासिल करना भी कठिन हो जाता।

भाजपा का इस चुनाव में कांग्रेस से 92 सीटों पर सीधा मुकाबला था, जिसमें से भाजपा 50 सीटें जीतने में कामयाब रही। ऐसी धारणा बन चुकी है कि दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा को सीटें और वोट नहीं मिलते, लेकिन इस बार दक्षिण में भाजपा को कांग्रेस से अधिक वोट मिले हैं। भाजपा ने दक्षिण के राज्यों में 3,94,65,778 वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस को 3,91,65,682 वोट मिले। दक्षिण में 131 सीटें हैं।

यहां कांग्रेस 94 सीटों और भाजपा 88 सीटों पर चुनाव लड़ी है। तमिलनाडु जैसे राज्य में भाजपा ने भले एक भी सीट नहीं जीती, लेकिन पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पिछले चुनाव से 11 प्रतिशत अधिक है। भाजपा पंजाब में भी अकेले लड़ी। हालांकि, उसे एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी 23 विधानसभा सीटों पर आगे रही है। पंजाब में कांग्रेस को 38 विधानसभा सीटों, आम आदमी पार्टी को 32 विधानसभा सीटों और शिरोमणि अकाली दल को 9 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली।

पांच साल बाद यदि कांग्रेस को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे अकेले दम पर उत्तर भारत के राज्यों को जीतना होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु जैसे राज्यों में बी-टीम बनाकर काम नहीं चलेगा। वो बड़े राज्यों और सीधे मुकाबले वाले राज्यों में भाजपा को परास्त कर ही सत्ता में वापसी कर सकती है। वहीं, भाजपा को इस चुनाव से बड़े सबक मिले हैं। यदि वो गलतियों में सुधार करती है तो पांच साल बाद फिर सत्ता में वापसी कर सकती है। देश की दोनों बड़ी पार्टियों के लिए अगले पांच साल बेहद महत्वपूर्ण रहने वाले हैं।

मॉन्स्टरवर्स की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बनी गॉडजिला - कॉन्ग द न्यू एम्पायर

वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर लीजेंडरी और वार्नर ब्रदर्स मॉन्स्टरवर्स फ्रैंचाइजी में दुनिया भर में 57 करोड़ डॉलर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है। यह मॉन्स्टरवर्स चैंपियन 2017 की पिछली फिल्म कोंग स्कल आइलैंड से भी आगे निकल गई है। इसने 56 करोड़ 86 लाख रुपये की कमाई की थी। गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर ब्राजील, कोलंबिया, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको और यूएई समेत 35 बाजारों में सबसे अधिक कमाई करने वाली मॉन्स्टरवर्स फिल्म है। सोनी की घोस्टबस्टर्स फ्रोजन एम्पायर ईस्टर वीकेंड पर रिलीज होनी थी, जो 22 मार्च तक के लिए आगे बढ़ा दी गई थी। इसने वार्नर के लिए शानदार सप्ताहांत पर कदम रखने और उसे अपने कब्जे में लेने का सुनहरा अवसर बनाया। ऐतिहासिक रूप से जो क्लैश ऑफ द टाइटन्स, रेडी प्लेयर वन और 2021 की गॉडजिला बनाम कांग के साथ स्टूडियो के लिए एक समृद्ध लॉन्चपैड रहा है। इसने चार करोड़ 81 लाख डॉलर की घरेलू ओपनिंग दी थी। गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर से ईस्टर सप्ताहांत में चार करोड़ पांच लाख की उम्मीद थी। मगर इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर आठ करोड़ डॉलर और ओवरइंडेक्स पर 19 करोड़ चार लाख डॉलर का कारोबार किया। एडम विंगार्ड द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2021 की गॉडजिला बनाम कांग (जिसने 47 करोड़ एक लाख डॉलर कमाए थे) के बाद दूसरी फिल्म है, जो लीजेंडरी/वार्नर ब्रदर्स की ड्यून: पार्ट टू के 71 करोड़ 18 लाख डॉलर के बाद 2024 की दूसरी सबसे यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म है। लोगों को ये लगा रहा ता कि इस फिल्म को देखने को शौक खत्म हो गया है। मगर इस फिल्म की शानदार कमाई ने सभी को चौंका दिया। 2014 की गॉडजिला घरेलू कलेक्शन के मुताबिक अभी भी 20 करोड़ छह लाख डॉलर की कमाई के साथ पांच फिल्मों में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। न्यू एम्पायर की ऑफशोर कमाई मॉन्स्टरवर्स फ्रेंचाइजी के लिए कोंग स्कल: आइलैंड की 40 करोड़ छह लाख डॉलर की कमाई के बाद दूसरी सबसे अच्छी कमाई करने वाली फिल्म है। गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर भारत में एक करोड़ छह लाख डॉलर की कमाई के साथ वार्नर ब्रदर्स की अब तक की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म है। न्यू एम्पायर के लिए अन्य सर्वाधिक कमाई वाले क्षेत्रों में मैक्सिको तीन करोड़ 37 लाख डॉलर, यूके 1 करोड़ 81 लाख डॉलर, फ्रांस में एक करोड़ 24 लाख डॉलर, ऑस्ट्रेलिया में एक करोड़ 23 लाख डॉलर, जापान में एक करोड़ आठ लाख डॉलर, इंडोनेशिया में 92 लाख, ब्राजील में 84 लाख, ताइवान में 77 लाख डॉलर, जर्मनी 71 लाख डॉलर और स्पेन में 68 लाख डॉलर शामिल हैं।

बैड बॉयजः राइड ऑर डाई ने छुआ 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा, क्या तोड़ पाएगी तीसरे पार्ट का रिकॉर्ड?

विल स्मिथ और मार्टिन लॉरेन्स की फिल्म बैड बॉयज: राइड ऑर डाई बॉक्स ऑफिस पर अछा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म सात जून को रिलीज हुई थी और पहले वीकेंड में इसने .100 मिलियन (भारतीय मुद्रा में लगभग 835 करोड़ रुपये) से यादा का कारोबार कर लिया है। ध्यान रहे कि यह आकंड़ा वैश्विक स्तर पर हुई कमाई का है।

अभी तक 104.6 मिलियन का किया कारोबार

बैड बॉयज: राइड ऑर डाई की अभी तक की कुल कमाई की बात करें तो फिल्म .104.6 मिलियन (भारतीय मुद्रा में लगभग 873 करोड़ रुपये) कमा चुकी है। इसमें से 48.6 मिलियन (भारतीय मुद्रा में लगभग 405 करोड़ रुपये) की कमाई अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर हुई है। बता दें कि यह बैड बॉयज फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म है। इसका पहला भाग साल 1995 में रिलीज हुआ था। दूसरा भाग 2003 और तीसरा लंबे समय के बाद साल 2020 में रिलीज हुआ था। यह एक कॉप कॉमेडी फ्रेंचाइजी है, जिसे दर्शक खूब पसंद करते हैं।

बैड बॉयज फॉर लाइफ ने की थी सबसे यादा कमाई

फिल्म की कमाई के आंकड़ों को देखकर सवाल उठता है कि क्या यह बैड बॉयज फ्रेंचाइजी की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म बन सकती है या नहीं। इस सीरीज की तीसरी फिल्म बैड बॉयज फॉर लाइफ ने वैश्विक स्तर पर 426 मिलियन (लगभग 35 अरब रुपये) की कमाई की थी। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 206 मिलियन (लगभग 17 अरब रुपये) कमाए थे। इन आकंड़ों के साथ यह अभी तक फ्रेंचाइजी की सबसे यादा पैसा कमाने वाली फिल्म है। अब देखना होगा कि बैड बॉयज: राइड ऑर डाई इस आंकड़े को छू सकेगी या पहले ही बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ देगी। बैड बॉयज: राइड ऑर डाई का निर्देशन आदिल एल अरबी और बिलाल फल्लाह ने किया है। फिल्म का निर्माण जेरी ब्रुखिमर, चैड ओमान,डग बेलग्राड, विल स्मिथ और मार्टिन लॉरेन्स ने किया है।

मुमताज ने अपराध में बिकिनी पहनने से किया था मना फिरोज खान के किए इस वादे से राजी हुई थीं अभिनेत्री

70-80 के दशक में अगर कोई अभिनेत्री बिकिनी पहनकर परदे पर दिख जाया करती थी तो सुर्खियां बन जाती थी। उस दौर में शर्मिला टैगोर, परवीन बॉबी और जीनत अमान ने बीचवियर पहनकर समाज के बने-बनाए पुराने मानदंडों को खुलकर चुनौती देने का काम किया था। उस समय बिकिनी पहनने वाली अभिनेत्रियों की सूची में एक और नाम है और वो है- मुमताज, जिन्होंने हाल ही में, अपने बिकिनी पहनने का किस्सा सुनाया है।

फिरोज खान ने किया था राजी

मुमताज ने साल 1972 में %अपराध% फिल्म में बिकिनी पहनी थी। एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि वो बिकिनी पहनना नहीं चाहती थीं और क्योंकि वो उस दौर के शीर्ष कलाकारों में शामिल थी, इसलिए बिना हिचकिचाए अपनी बात रख सकती थी। मुमताज ने बताया कि फिल्म के अभिनेता फिरोज खान ने उन्हें बिकिनी पहनने के लिए राजी किया था।

फिरोज ने किया था यह वादा

मुमताज ने बताया कि फिरोज खान ने उन्हें बिकिनी पहनने के लिए सहज महसूस कराया था। उन्होंने मुमताज के आत्मविश्वास को जगाया था कि वह भी ग्लैमरस दिख सकती हैं। फिरोज ने उनसे एक वादा किया था कि अगर उन्हें (मुमताज को) बिकिनी पहनने वाला दृश्य अच्छा नहीं लगा तो वो उसे एडिट करा देंगे। मुमताज को फिरोज की बात पर भरोसा था और आखिरकार उन्होंने इसके लिए हां कह दी थी।

और मुमताज के पास आने लगे बिकिनी पहनने वाले रोल

अपने बिकिनी सीन को देखकर मुमताज को काफी अच्छा लगा था। मुमताज ने साक्षात्कार में बताया कि सीन देखने के बाद उन्हें लगा कि वो बहुत अच्छी दिख रही हैं। इस फिल्म के बाद मुमताज के पास कई ऐसे रोल के ऑफर आए थे, जिसमें उन्हें बिकिनी पहननी थी, लेकिन मुमताज ने मना कर दिया था।

शोस्टॉपर के निर्माताओं ने दिगांगना पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप, पुलिस में दर्ज की शिकायत

मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान की ओटीटी डेब्यू सीरीज शो स्टॉपर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब खबर आ रही है कि शो के निर्माताओं ने अभिनेत्री दिगांगना सूर्यवंशी के खिलाफ टीम को धोखा देने के आरोप में शिकायत दर्ज की है। यह घटना ऐसे समय में हुई है. जब कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि शो को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमएच फिल्म्स ने अभिनेत्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दिगांगना सूर्यवंशी पर आईपीसी की धारा 420 और धारा 406 के तहत धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि अभिनेत्री ने कहा था कि उनके अक्षय कुमार, शाहरुख खान और सलमान खान जैसे सितारों के साथ

निजी संबंध हैं और वह इन्हें प्रेजेंटर के रूप में लेके आएंगी। शिकायत में दावा किया गया है कि उन्होंने अक्षय को शामिल करने के नाम पर पैसे लिए। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि राकेश बेदी और दिगांगना के फैशन डिजाइनर कृष्ण परमार को भी प्रोडक्शन ने मानहानि का नोटिस जारी किया है। उन पर शो मेकर का सहयोग करने की अनिच्छा के बारे में झूठे बयान देने का आरोप लगाया गया है, जिससे प्रोजेक्ट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। मामले से जुड़े वकील के मताबिक, दिगंगना ने कथित तौर पर नकदी के रूप में बड़ी रकम वसूलने का प्रयास किया और मांगें पूरी न होने पर निर्देशक मनीष हरिशंकर को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि मामले की पूरी जानकारी अब पुलिस को दे दी गई है। साथ ही पुलिस से शिकायत के आधार पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें आई थीं कि जीनत अमान का ओटीटी डेब्यू प्रोजेक्ट वित्तीय संकट के कारण रुक गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निवेशकों को उनका भुगतान वापस नहीं मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो से जुड़े कलाकारों और सहायक कर्मचारियों को अभी तक उनका भुगतान नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि निर्माता द्वारा उनकी राशि का केवल एक प्रतिशत ही भुगतान किया गया था। अभिनेताओं के अलावा क्रू के कई लोगों ने भी इस बारे में शिकायत की है।

क्वीन ने बिखेरा शपथ ग्रहण समारोह में जलवा, तस्वीरें साझा कर लिखीं- फिल्म स्टार वाली चमक...

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रणौत के लिए आज का दिन बेहद खास है। आज उनका एक सपना सच हुआ जिसके लिए उन्होंने काफी मेहनत भी की थी। आज जब वे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बनने पहुंची तब उनके चेहरे पर एक अलग नूर देखने को मिल रहा था। कंगना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी कुछ तस्वीरों को अपने फैंस के संग साझा भी किया है। साथ ही साथ उन्होंने अपने लुक के बारे में भी अपने चाहने वालों को डिटेल से बताया है।

कंगना रणौत बॉलीवुड के बाद अब राजनीति में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। उन्होंने मंडी लोकसभा सीट से शानदार जीत हासिल की है। खुद कंगना के लिए भी ये जीत जिंदगी की सबसे बड़ी कामयाबियों में से एक है। आज जब वे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंची तब पूरे देश की निगाह हिमाचल की इस बेटी पर टिकी हुई थी। कंगना रणौत बॉलीवुड में अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयान के लिए भी मशहूर हैं। वे जो भी करती हैं डंके की चोट पर करती हैं। अपने बयानों की तरह अभिनेत्री का फैशन का अंदाज भी काफी बोल्ड है। आज अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी से शपथ ग्रहण समारोह में जाने से पहले के दृश्यों को अपने फैन के संग साझा किया। साथ ही साथ उन्होंने पूछा कि मेरा यह लुक कैसा लग रहा है।

कंगना रणौत आज एक सिल्क की साड़ी में नजर आईं। अभिनेत्री ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का सा मेकअप किया था और उन्होंने गले में एक राजसी अंदाज वाला हार पहना था। सादगी में भी अभिनेत्री बला की खूबसूरत लग रही थीं। सोशल मीडिया पर कंगना के इस लुक की काफी तारीफ हो रही है। उन्होंने अपनी एक तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, आज फिर से मैं अपने फिल्म स्टार वाले लुक में वापस आ गई हूं।

एआर मुरुगादॉस की फिल्म एसके 23 का हिस्सा बने विद्युत जामवाल शिवकार्तिकेयन के साथ करेंगे धमाल

बीते दिनों जानकारी आई थी कि अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने एक फिल्म के लिए निर्माता एआर मुरुगादॉस के साथ हाथ मिलाया है, जिसका अस्थायी नाम एसके 23 है। वहीं, अब निर्माताओं ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म से अभिनेता विद्युत जामवाल का भी नाम जुड़ गया है। इस बात की जानकारी खुद निर्माताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

शिवकार्तिकेयन और एआर मुरुगादॉस की आगामी फिल्म एसके 23 के निर्माताओं ने आखिरकार बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल का इस फिल्म में स्वागत किया है। फिल्म के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अभिनेता का एक शानदार ऑनबोर्डिंग वीडियो साझा किया है, जहां वह अपने सिग्नेचर स्टाइलिश अवतार में अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। अभिनेता को निर्देशक एआर मुरुगादॉस का अभिवादन करते हुए देखा जाता है और फिर अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी को सेट के फिल्मांकन भागों पर चर्चा करते हुए देखा जाता है। सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने लिखा, उस खलनायक को वापस ला रहे हैं जिसने सभी को आतंकित कर दिया था। फिल्म में खतरनाक विद्युत जामवाल का स्वागत करते हैं। अनजान लोगों के लिए, विद्युत जामवाल ने एआर मुरुगादॉस और विजय की एक्शन थ्रिलर थुप्पाक्की में विलेन की भूमिका निभाई थी। एसके 23 लोकप्रिय तमिल फिल्म निर्माता के साथ उनका दूसरा सहयोग होगा। दिलचस्प बात यह है कि एसके 23 अभिनेता की 10 साल के अंतराल के बाद तमिल सिनेमा में वापसी का भी प्रतीक होगा। अभिनेता की आखिरी तमिल फिल्म सूर्या स्टारर अंजान थी। शिवकार्तिकेयन, कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत और विद्युत जामवाल के एसके 23 से जुड़ने की पुष्टि हो चुकी है। कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि इस फिल्म में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल भी नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पूरी तरह से एक्शन फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन को बड़े पैमाने पर शारीरिक परिवर्तन से गुजरना होगा। निर्माता फिल्म के मुख्य विवरणों को साझा करने के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। हालांकि, प्रशंसक फिल्म के शीर्षक के बारे में जानने के इछुक हैं, जिसका खुलासा होना बाकी है।

पन्ना के अमानगंज का फील्ड ग्राउंड बना कचरा पखाना फेंकने का स्थल

रामनरेश विश्वकर्मानगर। सिटी चीफ पन्ना। अमानगंज, नगर अमानगंज फील्ड ग्राउंड अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है और यह दुखद आंसू आज के नहीं बल्कि काफी पुराने हैं हम आपको पुरानी याद दिलाते हैं भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के माननीय अध्यक्ष श्री बीडी शर्मा जी की आम सभा इसी फील्ड ग्राउंड पर तय हुई थी और इसी आम सभा में जब प्रदेश अध्यक्ष लोगों का अभिवादन कर रहे थे तभी कुछ युवाओं द्वारा इस फील्ड ग्राउंड पर कचरा गन्दगी न फेके जाने के लिये एक पत्र माननीय अध्यक्ष को सोफा जिस पर माननीय अध्यक्ष द्वारा तत्काल समय पर नगर परिषद अध्यक्ष अमानगंज एवं सीएमओ को निर्देशित किया की इन बच्चों के लिए यह एक खेल का मैदान है और यहां से इनमें काफी प्रतिभाएं और ऊर्जा प्रदान होती है इसीलिए तत्काल प्रभाव से इस स्टेडियम में पड़े कचरे को दूर किया जाए और आसपास गंदगी का अंबर ना रहे लेकिन समय बीतता चला गया और आज तक पूर्ण रूप से नगर परिषद द्वारा साफ सफाई का अमल इस फील्ड ग्राउंड पर या कहे धरातल पर नहीं उतर पाया बल्कि खुद नगर पालिका फील्ड ग्राउंड के समीप लैट्रिंग टैंक या नगर के अन्य बेस्ट कचरा को फील्ड ग्राउंड पर डाल रही है जिससे लगातार फील्ड ग्राउंड प्रदूषण से ग्रसित होता जा रहा है शौचालय अवशेषित होने वाले कचरे मल मूत्र को भी ए फील्ड ग्राउंड के समीप उड़ेला जा रहा है जबकि कटकहा रोड पर कचरे को फेंकने के लिए निर्धारित स्थान किया गया है वही दूसरा स्थान ग्राम सस्निया के पास कचरे को फेंकने के लिए कचरा टिंचर ग्राउंड स्थान निर्धारित किया है बही फील्ड ग्राउंड पर मौके पर लैट्रिंग टैंक द्वारा पानी फेंका जा रहा था उसी समय एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट द्वारा उक्त टैंकर चालकों से पूछा गया कि आखिर आप लोग यहां कचरा क्यों फेंक रहे हैं तो कर्मचारियों ने ज्यादा बोलना उचित नहीं समझा इसके बाद की उनकी खामोशी बता रही थी कि साहब अमानगंज नगर परिषद का सिस्टम लचर और रिश्वतखोर के साथ मनमर्जियां पर भी चलता है

महाराणा प्रताप घांस की रोटी खाकर स्वाभीमान के साथ जिये, पर उन्होंने कभी स्वतंत्रता के साथ समझौता नहीं किया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महाराणा प्रताप की जन्म जयंती पर शुजालपुर में संपन्न हुए समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल हुए

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, तमाम तरह के मुगल आक्रमण के बाद भी महाराणा प्रताप घांस की रोटी खाकर स्वाभीमान के साथ जिये, पर उन्होंने कभी स्वतंत्रता के साथ समझौता नहीं किया। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले के शुजालपुर में महाराणा प्रताप की जन्म जयंती पर आयोजित हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर प्रदेश के उच?च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, विधायक शाजापुर श्री अरूण भीमावद व कालापीपल श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, श्री अशोक नायक, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीताबाई पटोदिया, जिला पंचायत सदस्य श्री मनोहर सिंह वाघेला, श्री केदारसिंह मण्डलोई सहित मेवाड़ा समाज के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन जितना पढ़ो उतना कम है। महाराणा प्रताप जीते-जी किवदंती बन गये। वे जब युद्ध में 76 किलो का कवच 80 किलो का भाला और 02 तलवार लेकर जब उतरते थे तो उनके सामने मुकाबला करने से हर कोई दुश्मन कतराता था। महाराणा प्रताप ने जीते-जी मनुष्य तो क्या उनके घोड़े चेतक से भी उनकी मित्रता का उदाहरण दुनिया में आज भी अद्वितीय है। तमाम प्रकार के मुगलों के आक्रमण एवं आतंक के बाद भी महाराणा प्रताप घांस की रोटी खाकर स्वाभीमान के साथ जिये, किन्तु उन्होंने स्वतंत्रता के साथ समझौता नहीं किया। ऐसे शूरवीर महापुरूष महाराणा प्रताप की जन्म जयंती आज हम मना रहे हैं, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। जिनके कारण से पूरी भारत माता संतानों के प्रति आनंद में डूबती है। लोकतंत्र में और भी इसका महत्व है कि महाराणा प्रताप से प्रेरणा पाकर सेठ-साहूकारों ने उस समय अपना पूरा खजाना महाराणा प्रताप को भेंट कर दिया था। भामाशाह इसके उदाहरण है। उन्होंने अपना पूरा खजाना महाराणा प्रताप को भेंट कर दिया था। जंगल में रहने वाले वनवासियों ने भी महाराणा प्रताप को पूरा सहयोग दिया था, उस समय कोई जाति का भेदभाव नहीं था। महाराणा प्रताप सबको लेकर चलते थे। सारे समुदाय में महाराणा प्रताप आदर के केन्द्र बिन्दु थे। नवीन शिक्षा नीति में महाराणा प्रताप को स्थान दिया है। महाराणा प्रताप को अब विद्यालयों में पढ़ाया जा रहा है, जिससे अगली पीढ़ी को महाराणा प्रताप को जानने का मौका मिलेगा।

इस अवसर पर स्थानीय मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्मी में नायक के पद पर तैनात मेवाड़ा समाज के शहीद के स्मारक बनाने सहित छात्रावास की भूमि, महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना एवं चौराहे के नामकरण सहित जो-जो भी मांगे रखी गई है उनकी जाँच कराकर सभी पूरी की जायेगी। इसके पूर्व मेवाड़ा समाज की पत्रिका प्रताप वार्ता का विमोचन भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पहार से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत ने किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रदर्शनी का अवलोकनः जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गये कार्यों के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फीता काटकर किया। इसके मौके पर मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, कलेक्टर सुश्री ऋचु बाफना, पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शाजापुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतो में किए गए उत्कृष्ट कार्य की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतो के कार्य की प्रशंसा भी की। उल्लेखनीय है कि 05 जून से 16 जून गंगा दशहरा तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, झील, कुंआ, बावड़ी आदि के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए कार्य किया जा रहा है तथा उनकी साफ-सफाई गहरीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। साथ ही उक्त अभियान अंतर्गत जल संवर्धन के लिए बोल्डर चेक और गली प्लग का निर्माण जनसहयोग से किया जा रहा है।

हेलीपेड पर स्वागतः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शुजालपुर आगमन पर हेलीपेड पर प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, विधायक श्री अरूण भीमावद, श्री घनश्याम चन्द्रवंशी एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार ने पुष्पहार से स्वागत किया। इस अवसर पर श्री अशोक नायक, श्री देवेन्द्र तिवारी, श्री नरेन्द्र यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीताबाई पाटोदिया सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

दीपक तिवारी ने कहा, श्रीकांत चतुर्वेदी के अथक प्रयास से मैहर में बीजेपी की विजय

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही पूरी विधानसभा के गाँव-गाँव जाकर जनसंपर्क किया व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व बीजेपी की जन कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुचाई। मैहर विधायक के कुशल नेतृत्व व सक्रियता के चलते मैहर विधानसभा में लोकसभा चुनाव में अभूतपूर्व बढ़त हासिल हुई। 24 हजार से अधिक की लीड से सतना सांसद यहां से विजई हुए। यहां से इतनी मार्जिन में जीत का अंतर माननीय विधायक के कड़ी मेहनत को दर्शाता है। दीपक तिवारी (सोनू) ने विधायक व पाँचवी बार सांसद बने गणेश सिंह को बधाई प्रेसित करते हुए जीत की शुभकामनाएं दी।

इंदौर का हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए के संकल्प को लेकर क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन

महावीर जैन । सिटी चीफ इंदौर, तिलोकचंद स्कूल की 95 बेच के स्टूडेंटो ने शनिवार की शाम एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित द ग्रास टर्फ पर टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया स्पर्धा के दौरान तीन मैच की श्रखला में तिलोचन्द चैंपियंस ने दो मैच जीत कर श्रृंखला जीती व एक मैच तिलोकचंद स्टार ने जीता। तिलोकचंद चैंपियंस टीम के कप्तान व स्पर्धा के आयोजक महावीर जैन व दीपेश पहाड़िया ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश के नगरीय एवं प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गी जी द्वारा जुलाई माह में इंदौर शहर 51 लाख पौधे लगाने का जो संकल्प लिया गया है इस संकल्प को क्रिकेट स्पर्धा के माध्यम अधिक से अधिक परिवारों और युवाओं तक पहुंचाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने को लेकर व इंदौर को हरा - भरा बनाने के उद्देश्य के साथ आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस अवसर पर नितीन खटोड़, दुर्गेश तिवारी, पियुष गंगवाल, अजय काला प्रितेश अजमेरा, दीपक श्रत्रीय ,प्रितेश भंडारी, राकेश जैन विकास कासलीवाल, प्रवीण गुप्ता दींपाकर जैन ,राजेश पुरोहित, सुमीत बड़जात्या , विरेन्द्र सोनी, किशोर इंगले, गिरीश प्रजापत ,मनीष बाकलीवाल के साथ-साथ तिलोचन्द स्कूल परिवार के एवं खिलाड़ियों के परिवारजन उपस्थित थे।

भूमाफियाः निधि और सुभाष ने काटी 40 एकड़ में अवैध कॉलोनी डायवर्सन, कॉलोनाइजर, ना रेरा करोडो के राजस्व की क्षति

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले से लेकर ग्रामीण सब्जबाग दिखा भूमाफिया ने शहर के अलावा कृषि भूमि को समतल कर बकायदा रोलर चलावाकर रोड़ बनाकर लोगों को दिग्भ्रमित कर लोगों की गाढ़ी कमाई चट करने में लगे हैं कायदे कानून के मुताबिक इस तरह का कृषि भूमि पर डेवलपमेंट टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, रेरा एवं कालोनाइजर बिना लाइसेंस किया जा रहा कार्य पूर्णत: गैर-कानूनी व अवैधानिक है इसमें भारी भरकर जुर्माना भी है। दरअसल में वर्तमान में तथाकथित सुभाष एवं निधि नामक ज़मीन के दलाल मुनाफाखोरों ने कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां खड़ी कर तहसील की साठ-गांठ से रजिस्ट्री भी करा दी, आगामी दिनों में इस तरह की विकसित कालोनी में यहां रहने वाले लोगों विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर दो चार होना पड़ेगा इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता और इस भूमि पर प्लाट खरीदने वाले लोगों को नारकीय जीवन जीना पड़ सकता हैं। कारण बगैर कायदे कानून का पालन सुनिश्चित किए बगैर लाजिमी है नपा, ग्रामीण प्रशासन द्वारा यहां मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जाएगी।

हम आपको बता दें कि जमीन के दलालों ने कम कीमत के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर बरगलाकर इस तरह कृषि भूमि पर कॉलोनियां बसाने का गोरखधंधा खोल रखा है, हालांकि इस तरह विभिन्न क्षेत्रों में अवैध कालोनियों में प्लाट और मकान बनाने वाले लोगों को इस जिसका खामियाजा भी अब रहवासी भोग रहे हैं। मूल भूत सुविधाओं के नाम पर न यहां बिजली है और न ही सड़क-नाली। पीने पानी तक के लिए भी लोगो को भटकना पड़ता है।

बेजा हुई नियमों की अनदेखी...

भारत सरकार ने भू-माफिया के चंगुल से लोगों को बचाने के लिए शासन ने रियल स्टेट कानून रेरा तो लागू कर दिया लेकिन शहर में इस कानून का पालन कम ही लोग कर रहे हैं। आधा दर्जन मात्र ही कालोनाइजरों द्वारा ही रेरा में पंजीयन कराया गया है जबकि शहर में 20 से 35 कॉलोनी अवैध हैं। रेरा से प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कुछ तथाकथित लोगों ने टांकी नाला और आसपास कॉलोनाइजरों ने अपूर्ण कॉलोनी को पूर्ण बताकर प्रमाण पत्र तक ले रखा है। यदि जिला प्रशासन जांच करे तो गड़बड़ी सामने आ सकती है।

अवैध को वैधानिक दर्जे की चर्चा...

शहडोल में नया बस स्टैंड के आसपास सहित कई कालोनी ऐसी ही है जहां दलालों के चक्कर में आकर अवैध कॉलोनी में लोग प्लॉट तो ले लेते हैं और मकान बनाने के बाद समस्याओं से घिर जाते है फिर आरंभ होता है संघर्ष। नपा से वैधता प्राप्त करने के लिए प्रति वर्गफीट के मान से तथा अन्य शुल्क सहित भारी भरकम राशि जमा कराने के उपरांत परिषद की स्वीकृति मिलने पर ही मकान को वैधता प्राप्त होती है तब जाकर वहां सुविधाएं मिलने के आसार बनते हैं। राज्य शासन ने भी अवैध कॉलोनियों के लिए सरलता लागू करते हुए एक परिपत्र जारी किया जिसमें नियमितीकरण किए जाने का उल्लेख किया गया है लेकिन इस प्रक्रिया में भी फिलहाल समय लगेगा। इसलिए जनता को जागरूक रहना चाहिए।

बाकायदा पत्थरगड्डी, और बन रहे मकान...

शहडोल पचगांव, विचारपुर, कल्याणपुर सिंदूरी रोड पर इतनी अवैध कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं फिर भी जाने क्यों जिम्मेदारों की कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। इनमें से एक कॉलोनी के हालात तो यह है कि भूमाफिया ने एक ही प्लाट को अनगिनत लोगों को बेच दिया। इस विवाद होने पर भू-माफिया छोड़कर सतना भाग गया। कुछ इसी तरह की स्थिति इस मार्ग पर वापस बनती दिखाई दे रही है। एक ताजा-ताजा कॉलोनी बनी है जो की किसी भी प्रकार के नियम कायदों में खरी नहीं उतरती है। लोगों को बरगलाने के लिए संबंधित ने सड़क के नाम पर दोनों तरफ चिह्नित कर बीच में पत्थरगड्डी, फेनसिंग, चूने पत्थर की चूरी डाल दी और प्लॉट चिह्नित कर दिए। तक दलालों के मायाजाल में लोग अवैध कालोनी को विकसित समझ दिग्भ्रमित हो अबिलंब निवेश कर दे।

गुप्ता बाबू की भूमिका संदिग्ध

बहरहाल मामले मे सबसे बड़ा पेंच यह भी कि मामले में राजस्व अधिकारियों को अवैध रूप से कालोनी विकसित किए जाने की सूचनाएं प्राप्त होती है और जांच में आर आई पटवारियों को मौका मुआयना करने जाना होता है जिम्मेदार मुआयना तो पूरा करते हैं लेकिन तहसील में पदस्थ तथाकथित गुप्ता बंधुओं के रिश्तेदार जांच पूरी होने नहीं देते तभी तो ऐसे मामलों में एक ओर शासकीय राजस्व नुकसान हो रहा है वहीं नागरिकों की गाढ़ी कमाई फर्जी कालोनाइजर के दिखाएं सब्जबाग में डूबे जा रही है।

वीरेंदर, राजेश भूमाफिया के दलाल

शहडोल और आसपास की भूमि की खरीद बिक्री संभाग का तमगा मिलने और कॉल माईनस के साथ साथ बाईपास के चलते कृषि भूमि और नान डायवर्टेड भूमि को बिना कालोनाइजर रेरा टीएनसीपी परमिशन धड़ाधड़ प्लाटिंग करते हुए बेचा जा रहा है इसमें विचारपुर कल्याणपुर, पुरानीबस्ती, भुईबांध से लेकर तमाम प्रमुख स्थानो को चिन्हित करते हुए पटवारी आर आई भूमाफिया को अवगत करते है सौदा हुआ तो ठीक वरना पेच फसा देना इनकी फितरत में है, इन दोनों रंगा बिल्ला की टीम ने शहडोल में ही सालो सीमांकन और नक्शा तरमीम के लिए चककर लगवा रहे है यही काम भूमाफिया का हो तो सुविधा अनुसार सीमांकान और नक्शा तरमीम बैक डेट से भी कर दिया करते है, यह सरकारी वेतन में जमीन की दलाली नहीं तो क्या है।

517 में तना अवैध मैरिज गार्डन...

नगरपालिका शहडोल के वार्ड 38 में पवन मिश्रा एवं परिजनों ने बिना किसी परमिसन के अवैध मैरिज गार्डन ही तान दिया और यह तब हो रहा है जब की सारी चीजे ऑनलाइन हो चुकी है लेकिन शहडोल एक तथाकथित उपाध्यक्ष सभी निर्माणाधीन बिल्डिंग से अदृश्य मजूरी के नाम पर जेब कर रहा है और इन सभी अवैध निर्माण को प्रोटेक्ट करने का का काम भी करता है हालही में होर्डिंग मामले में करोडो का नगरी निकाय के नुक्सान ममले में जिम्मेदार अफसरों ने होर्डिंग कारोबारी पर रहमदिली तथाकथित उपाध्यक्ष के चलते होने की जनचर्चा है, बहरहाल ऐसे में नागरिको के लिए बना दोहरा कानून पर अब लोग सवाल उठाना शुरू कर दिए है

प्रशासनिक प्रतिक्रिया....

मामले में कलेक्टर शहडोल के नंबर 07587966300 पर मामले में प्रतिक्रिया जानने का प्रयास किया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

तरुण भटनागर, कलेक्टर शहडोल

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में शुगर की जांच, हड्डियों की जांच एवं ईसीजी की गई

देवबंद नगर के 450 से अधिक लोगों ने कैंप का फायदा उठाया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, प्रयास संस्था के तत्वाधान में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन द दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद पर आयोजित किया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर यहां देहरादून मैक्स हॉस्पिटल के सौजन्य से लगाया गया था। जिसमें देहरादून के श्रेष्ठ डॉक्टरो द्वारा डायबिटिक स्पेशलिस्ट आंकाक्षा कौशिक, हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर अमित कुमार, आंखों के स्पेशलिस्ट आई क्यु सुपर स्पेशलिटी के माध्यम से डा. सय्यद फरीद मौजूद रहे। कैंप में निशुल्क शुगर की जांच, हड्डियों की जांच एवं ईसीजी भी की गई। देवबंद नगर के 450 से अधिक लोगों ने इस कैंप का फायदा उठाया। कैंप की अध्यक्षता राजकिशोर गुप्ता (प्रबंधक दून वैली पब्लिक स्कूल) ने की एवं दीप प्रज्वलन पुनीत बंसल आढती द्वारा किया गया। इस मौके पर अंकित जैन, सतीश गिरधर, चौधरी ओमपाल सिंह, अनु गोयल, अमित गर्ग, आलोक गर्ग, अजय गर्ग, विवेक आदि मौजूद रहे।

कब्ज़ाः श्री रघुनाथ जी मोहनराम मंदिर में लगा शिलालेख...

उच्च न्यायालय का जारी आदेश का उल्लघंन.....

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।
शहडोल, संभाग मुख्यालय का सुप्रसिद्ध मोहन राम मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन हेतु हाईकोर्ट से के निर्देश पर नियुक्त स्वतंत्र समिति ने उच्च अधिकारियों को व पुलिस को शिकायत की है कि मोहन राम मंदिर में पूर्व ट्रस्टी अराजकता का माहौल गिरोह निर्मित किए हुए हैं मामले की शिकायत एडीजीपी, कलेक्टर, एसपी, एसडीएम एवं पंजीयक लोक न्यास सोहागपुर सहित थाना कोतवाली शहडोल में की गई हैं उक्त शिकायत स्वतंत्र समिति के सदस्य एडवोकेट रमेश त्रिपाठी ने गंभीर आरोप लगाते हुए बतलाया है कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के प्रकरण क्रमांक स्व-177/2012 मे पारित आदेश दिनांक 02.11.2012 के पालन मे अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक लोक न्यास सोहागपुर शहडोल के द्वारा दिनांक 30.01.2013 एवं संशेधित आदेश दिनांक 31.01.2023 के द्वारा श्री रघुनाथ जी रामजानकी शिव पार्वती मोहनराम मंदिर ट्रस्ट के दैनिक कार्यो एवं परिसम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु स्वतंत्र समिति का गठन किया गया है । उक्त समिति के द्वारा ही दिनांक 31.01.2013 से कार्य का सम्पादन किया जा रहा है। दरअसल माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा अपने उक्त आदेश में स्पष्ट तौर पर आदेशित किया गया है कि मंदिर के किया कलापों एवं ट्रस्ट मे एन.भास्कर राव, रोहिणेश्वरप्रपन्नाचार्य, हर प्रसाद पाण्डेय एवं पूर्व ट्रस्टियों का कोई हस्तक्षेप नही रहेगा। इसके पश्चात माननीय उच्च न्यायालय ने रिब्यू पिटीशन क्रमांक 895 / 2012 मे जारी आदेश के मुताबिक अनुविभागीय अधिकारी द्वारा गठित स्वतंत्र समिति के द्वारा ही ट्रस्ट का सम्पूर्ण कार्य सम्पादित किया जावेगा। जिसका पालन

कराएं जाने की जगह जारी आदेश का उल्लघंन किया गया है। इतना ही नहीं जिला मुख्यालय पर ही माननीय उच्च न्यायालय के उपरोक्त आदेश की खुलेआम अवहेलना करते हुए पूर्व ट्रस्टी रोहिणेश्वर प्रपन्नाचार्य लवकुश शास्त्री, गिरजाशरण दास, चन्द्रेश द्विवेदी, जगदीश प्रसाद मिश्रा, पवन राव, राजकुमार खरया, जीतेन्द्र सिंह एवं रामावतार गुप्ता के द्वारा निरंतर मंदिर एवं ट्रस्ट की गतिविधियों में हस्तक्षेप किया जा रहा है तथा मंदिर की सम्पत्ति पर किये गये अतिक्रमण के संबंध मे अतिक्रमणकारियों पर कोई कार्यवाही न हो उन्हे संरक्षण देने का काम किया जा रहा है मिली जानकारी के मुताबिक पूर्व ट्रस्टियों के द्वारा विगत 10 वर्ष से ट्रस्ट का प्रभार भी स्वतंत्र समिति को नही दिया जा रहा है, जिससे मंदिर परिसर मे अराजकता का वातावरण बना हुआ है। उपरोक्त स्वयं भू घोषित ट्रस्टियों के द्वारा स्वयं को अवैध तरीके से स्थापित करने की बदनियति से दिनांक 03.07.2023 को मंदिर की उस दीवाल मे वर्ष 2012 लिखकर पूर्व ट्रस्टियों की सूची सिलालेख मे माध्यम से लगाई गई है जिस दीवाल का निर्माण ही वर्ष 2018-2019 में हुआ है जबकि शिलालेख मे जिन ट्रस्टियों का नाम लिखा गया है उसे वर्ष 2012 में ही माननीय उच्च न्यायालय ने प्रथक कर स्वतंत्र समिति का गठन कर दिया है । इस प्रकार से उपरोक्त लोगों के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की खुलेआम अवहेलना करते हुए मंदिर की परिसंम्पत्तियों को खुर्द बुर्द किया जा रहा है। बहरहाल वर्तमान जिला एवं पुलिस प्रशासन के संज्ञान में यह जानकारी होना आवश्यक है कि पूर्व ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष लवकुश प्रसाद शास्त्री को तत्कालीन तहसीलदार, एसडीएम, राजस्व निरीक्षक पटवारी आदि के द्वारा बलपूर्वक सभी तत्कालीन ट्रस्ट के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रभार दिलाया गया था किन्तु लवकुश प्रसाद शास्त्री के द्वारा वर्तमान में कार्यरत स्वतंत्र समिति को प्रभार आज तक नही दिया गया है और माननीय उच्च न्यायालय की मंशा के विपरीत भ्रम का वातावरण पैदा किये हुए है मंदिर की प्रत्येक गतिविधियों में स्वयं को ट्रस्टी बताकर हस्तक्षेप करते है इसी कडी मे ग्राम शहडोल स्थित भूमि खसरा नम्बर 138 को कूटरचित तरीके से मोहन राम मंदिर ट्रस्ट के बजाय चित्रकूट पुरानी लंका के नाम से करा दिया गया है और उक्त भूमि पर न्यायालय के स्थगन के बाद भी अवैध तरीके से निर्माण कर उक्त आराजी पर कब्ज़ा कर उसका सम्पूर्ण लाभ चित्रकूट भेजा जा रहा है । यदि इस संदर्भ मे तत्काल कार्यवाही नही हुई तो इस अवैधानिक गिरोह का किसी दिन सम्पूर्ण मंदिर मे कब्जा हो जावेगा। स्वतंत्र समिति के सदस्य एडवोकेट रमेश त्रिपाठी के मुताबिक माननीय न्यायालय के जारी आदेश का परिपालन में मामले में रोहिणेश्वर प्रपन्नाचार्य, लवकुश शास्त्री, गिरजाशरण दास, चन्द्रेश द्विवेदी, जगदीश प्रसाद मिश्रा, पवन राव, राजकुमार खरया, जीतेन्द्र सिंह एवं रामावतार गुप्ता के विरूद्ध अपराध कायम कर कार्यवाही की जानी चाहिए।

प्रतिक्रिया...

2013 में बनी कमेटी को दस वर्ष बीत चुके हैं उच्च न्यायालय के दखल के बाद भंग कमेटी दबंगई से पुनः स्थापित हो गई है अतिक्रमण समेत आर्थिक अनियमितताएं व्याप्त है साथ-साथ जिला एवं पुलिस प्रशासन उच्च न्यायालय के जारी आदेश के परिपालन करा पाने में फेल है जिसके चलते ही उच्च न्यायालय के आदेश के विपरित परिसर एवं ट्रस्ट की भूमि पर कार्य किए जा रहे हैं।

रमेश त्रिपाठी, स्वतंत्र समिति सदस्य, श्री रघुनाथ जी मोहनराम मंदिर

मामले में कलेक्टर शहडोल के नंबर 07587966300 पर मामले में प्रतिक्रिया जानने का प्रयास किया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

तरुण भटनागर, कलेक्टर शहडोल

पूर्व में हुआ तालाब गहरीकरण घोटाला की हो जाँच

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।
गोहपारू, स्थानीय ग्राम पंचायत लेदरा में तालाब के गहरीकरण में सचिव इंजीनियर और सरपंच द्वारा घोटाला का मामला सामने आया है जो बीते दिनों सोशल मीडिया पर काफी ट्रेड हो रहा है दरअसल जारी सोशल मीडिया पर विडियो मे स्थानीय नागरिक जिनका घर ठीक तालाब के सामने है इस गहरीकरण के नाम पर किए गए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाएं गए हैं, गहरीकरण कार्य मनरेगा के तहत ग्रामीण मजदूरो से ना करा कर जेसीबी द्वारा कराया गया और पूरी तरह से काम पूरा नहीं किया गया, इतना ही नहीं कार्य से ज्यादा राशि ग्राम पंचायत द्वारा निकाल ली गई काम पूरा ना होने के कारण तालाब में पानी नहीं है जिस कारण से ग्रामवासियों और ग्रामीणों के पालतू मवेशियों तक को उसका उचित लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा। मामले में नागरिकों ने जिम्मेदार अधिकारियों से जांच कर कार्यवाही की मांग की गई है।

शहडोल में यात्री ट्रेन 12 से 21 जून तक रद्द

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।
शहडोल, ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानी एक बार फिर बढ़ने वाली है, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने मुदरिया स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टीविटी के लिए प्री-एनआई व एनआई वर्क होने कारण लोकल व लंबी दूरी की यात्री ट्रेनों को 12 से 21 जून तक रद्द करने पत्र जारी किया है। इस दौरान करीब 24 अप एडं डाउन ट्रेनों का परिचालन बंद रहेगा। ट्रेने रद्द होने से गर्मी में यात्रियों को परेशान होना पड़ेगा। वहीं नागपुर इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को भी शहडोल से डायरेक्ट ट्रेन की सुविधा नहीं मिल पाएगी। इसके साथ ही शहडोल व अनूपपुर का व्यापार प्रभावित होगा।

यह ट्रेने रहेंगी रद्द चंदिया - चिरमिरी अप एडं डाउन ट्रेन को 13 से 20 जून तक, कटनी-चिरमिरी पैसेंजर अप एडं डाउन को 12 से 20 जून तक, चिरमिरी-अनूपपुर अप एडं डाउन ट्रेन को 13,15,18 व 20 जून तक, बिलासपुर- रीवा एक्सप्रेस 12 से 19 जून तक, बिलासपुर- इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस अप एडं डाउन 13 से 19 जून तक, बिलासपुर-भोपाल अप एडं डाउन ट्रेन 12 से 20 जून तक, जबलपुर-अंबिकापुर अप एडं डाउन एक्सप्रेस 12 से 21 जून तक, शहडोल-नागपुर अप एडं डाउन एक्सप्रेस 12 से 21 जून तक, रीवा- चिरमिरी एक्सप्रेस अप एडं डाउन 12 से 20 जून तक, लखनऊ- रायपुर गरीब रथ अप एंड डाउन 13,14,17 व 18 जून तक, सांतरागाछी- जबलपुर अप एडं डाउन एक्सप्रेस 12 व 19 13 एवं 20 जून तक एवं दुर्ग-अजमेर अप एडं डाउन एक्सप्रेस 19 व 17 जून को रद्द रहेगी।

इनका रहेगा रूट डायवर्ट बरौनी व गोंदिया से रवाना होने वाली गोंदिया- बरौनी- गोंदिया एक्प्रेस को डायवर्ट कर 12 से 21 जून तक कटनी-जबलपुर- नैनपुर मार्ग से चलाया जाएगा।

मिलकर कदम बढ़ाएं जल की हर एक बूंद बचाएं

श्रमदान कर दिया जा रहा जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश

मोहम्मद मुनीर ।सिटी चीफ।
शहडोल, कलेक्टर तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान के तहत शहडोल जिले में जल व पर्यावरण संरक्षण के कार्य में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, अधिकारी, मीडिया के प्रतिनिधि, जन अभियान परिषद के सदस्य गण सहित अन्य लोगों द्वारा श्रमदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत पोड़ी में जल संरक्षण हेतु नाले की साफ सफाई डीएफओ सुश्री श्रद्धा पेंद्र सहित अन्य लोगों द्वारा किया गया, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत पोड़ी में डीएफओ सुश्री श्रद्धा पेंद्र सहित अन्य लोगों ने वृक्षारोपण किया। डीएफओ सुश्री श्रद्धा पेंद्र ने वृक्षारोपण कर कहा की पर्यावरण को बचाने के लिए सभी नागरिकों को स्वयं जागरूक रहना होगा और दूसरों को भी जागरूक करना होगा। इसी प्रकार जिले के विकासखंड जयसिंहनगर ग्राम हिड़वाह में जलट्रगंगाट्टसंवर्धनट्टअभियान अंतर्गत झिरिया नाला में श्रम दान कर साफ सफाई का कार्य किया गया। जिसमे नवांकुर समिति स्वामी विवेकानंद सेवा समिति बांसा के सदस्यगण शामिल थे। जिले के जनपद पंचायत बुढार ग्राम पंचायत साबू बगैहा में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नाला साफ सफाई का कार्य किया गया। जिसमे अधिकारियों व नागरिकों ने श्रमदान किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत दरैन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचना वाली जगह में साफ सफाई का कार्य किया गया। जिसमे नागरिकों ने श्रमदान किया, जलट्रगंगा संवर्धन अभियान के तहत आज नगरपालिका धनपुरी के अंतर्गत रीजनल के पास स्थित तालाब का साफ सफाई के कार्य में लोगों ने श्रम दान किया, जलट्रगंगाट्टसंवर्धनट्टअभियान के तहत ग्राम पंचायत लपरी चूंदी नदी बड़का झरिया चूंदी नदी का शुरुआत जन अभियान परिषद जयसिंहनगर के नवांकुर संस्था सेक्टर अमझोर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति लपरी के सदस्यों द्वारा श्रमदान किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मलमात्थर नाला ट्रेंचिंग कार्य किया गया।

साइबर अपराधियों ने युवक के खाते से 27 लाख रुपये उड़ाए

पीड़ित के पास न कॉल आई और न ही कोई ओटीपी इसके बाद नकदी उड़ा ली गई

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के मोहल्ला बसंत विहार निवासी एक युवक के खाते से 27 लाख रुपये उड़ा लिए गए। पीड़ित के पास न कॉल आई और न ही कोई ओटीपी। इसके बाद साइबर अपराधियों ने नकदी उड़ा ली।बंसत विहार निवासी विकास कुमार ने बताया कि उनका एक खाता यूनियन बैंक में है। दूसरा खाता पीएनबी में है। उनके पास न कोई कॉल आई और न ही कोई ओटीपी। वह जब बैंक में खातों की स्टेटमेंट लेने गए तो देखा खाते में सिर्फ 500 रुपये पड़े हैं। उन्होंने बैंक में पता किया तो पता चला कि 25 मई से लगातार उनकी ट्रांजक्शन एक खाते में हो रही है। साइबर अपराधियों ने उनके खाते से 27 लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने कोतवाली सदर बाजार में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। एसपी सिटी अभिमन्यु

मांगलिक ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

नहर पर नहाने गये युवक की डूबने से हुई मौत

परिजनों में मचा कोहराम

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नानौता क्षेत्र निवासी जुनेद पुत्र हाजी नदीम सलमानी (18 वर्ष) की गंगोह रोड पर नहर में डूबने से मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बढ़ती गर्मी के चलते युवक नदीम नहर में अपने साथियों के साथ नहाने के लिए गया था। जहां अचानक नहाते समय नहर में डूबने से नदीम की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से मृतक युवक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

थाना परिसर में दुराचारी सभा-2 का हुआ आयोजन

सभा में थाना प्रभारी ने अपराध न करने की दी कड़ी हिदायत

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। सहारनपुर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर डॉ. विपिन ताड़ा के निर्देशन में मिर्जापुर थाना परिसर में दुराचारी सभा-2 का आयोजन किया गया। जिसमें मिर्जापुर थाना क्षेत्र के दुराचारी अपराधियों को बुलाया गया और उनसे पूछताछ कर सत्यापन किया गया। सभा में थाना प्रभारी मनोज चौधरी ने अपराधियों को अपराध न करने की कड़ी हिदायत दी। सभा में पहुंचे दुराचारी अपराधियों ने भविष्य में अपराध न करने की कसम खाई। थाना प्रभारी मनोज चौधरी ने बताया कि एसएसपी के आदेशानुसार दुराचारी सभा- 2 का आयोजन किया गया है। सभा में पहुंचे अपराधियो को उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देश से अवगत कराया गया। इस दौरान एसआई यशपाल सोम व एसआई सुमन भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने बी एड प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न करवाने के लिए पूरे दिन भ्रमण कर कई केंद्रों का किया निरीक्षण

परीक्षा केन्द्रों पर पंहुचकर बढ़ाया अभ्यर्थियों का मनोबल, सीसीटीवी की निगरानी में चल रही है परीक्षा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र ने जनपद में आयोजित संयुक्त बी-एड प्रवेश परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी, एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षार्थियों का मनोबल बढ़ाया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान उनके साथ उप जिलाधिकारी सदर युवराज सिंह भी उपस्थित रहे।

अधिवक्ता कर्मवीर हत्याकांड में पांच को हुई फांसी की सजा

सहारनपुर, एडीजे महेश कुमार ने युवा अधिवक्ता कर्मवीर छाबड़ा की नृशंस हत्या के मामले में भूपेंद्र सिंह बतरा, उसके बेटे गुरूप्रताप, भाई अमरजीत सिंह, भतीजे गुरनीत और गुरमीत सिंह को फांसी की सजा सुनाई है। पांचों को जिला कारागार ले जाया गया। मानसिक तनाव से बचने के लिए उन्हें जेल के अस्पताल में रखा गया है।

फांसी की सजा की फाइल हाईकोर्ट भेजी जाएगी। उसके बाद ही उचित कानूनी कार्रवाई होगी। सरकारी वकील विक्रम सिंह वर्मा ने यह जानकारी दी। इस मामले में फांसी की सजा का आधार सात बिंदु बने कोर्ट के मुताबिक अधिवक्ता कर्मवीर छाबड़ा की अच्छी छवि थी और उन्होंने सिविल सर्विस की परीक्षा भी दी थी। कर्मवीर छाबड़ा की पत्नी और बेटी उन पर आश्रित थी। सजा पाए पांचों दोषियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति अच्छी है। अधिवक्ता की हत्या के बाद इसका समाज पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ा। लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा हुई। हत्या बहुत ही निर्मम तरीके से की गई थी। इसका प्रभाव सबसे ज्यादा पीड़ित परिवार पर पड़ा। कर्मवीर छाबड़ा के पिता सतपाल छाबड़ा और परिजनों ने हत्यारों को फांसी की सजा सुनाए जाने पर संतोष जताया। बोले कि वे पुरानी बातों को याद नहीं करना चाहते। पटेल नगर निवासी सतपाल छाबड़ा के परिवार में उनकी पत्नी, छोटा बेटा, पुत्रवधु और उनकी बेटी है। छोटा बेटा ईस-चरण सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता है।

भारत vs पाकिस्तान मैच के बीच पाकिस्तानियों ने उड़ाया प्लेन, स्टेडियम के ऊपर लहराया बैनर

न्यूयॉर्क: न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर के आसपास आईसीसी टी20 विश्व कप को लेकर ज्यादा हलचल नहीं है लेकिन भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए यहां का लौंग द्वीप नीले रंग (भारतीय टीम की जर्सी का रंग) और कुछ हरे रंग से पटा दिखा। उपमहाद्वीप में क्रिकेट की दीवानगी किसी से छुपी नहीं है और जब बात भारत बनाम पाकिस्तान मैच की हो तो सोशल मीडिया से लेकर वास्तविक दुनिया में भावनाओं का ज्वार चरम पर होता है। खेल की यह दीवानगी एक दिन के लिए सही अमेरिका में पूरे उफान दिखा जहां हैदराबाद के आईटी पेशेवर, गुजरात के व्यवसायी, बंगाल के शिक्षाविद और लाहौर के रेस्तरां मालिक के लिए कड़ी मेहनत से अर्जित डॉलर को खर्च करने में कोई शिकायत नहीं दिखी। इन लोगों को भारत-पाक मैच में रोहित शर्मा का पुल-शॉट, विराट कोहली का कवर-ड्राइव या शाहीन शाह अफरीदी का यॉर्कर को स्टेडियम से देखने का शायद एक ही मौका मिले और वे इसे चूकना नहीं चाहते है। न्यूयॉर्क के प्रमुख स्थल मैनहटन से लगभग 54 किलोमीटर दूर इस मैदान की तरफ आने वाली सड़कों पर सुबह से ही भारी भीड़ दिखी। सुबह इस क्षेत्र में बारिश हुई लेकिन इसने भी लोगों के जोश को ठंडा नहीं पड़ने दिया। सुरक्षा की दृष्टि से कई सड़क बंद होने के कारण लोगों को काफी दूरी तक पैदल यात्रा करनी पड़ी लेकिन उन्हें इससे भी कोई शिकायत नहीं थी।भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए विशेष रूप से अपने दोस्त के साथ न्यूयॉर्क आई डलास की एक डेटा इंजीनियर अलेखया ने कहा, ''हमने इस मुकाबले को देखने के लिए लगभग 3000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए हैं। मैं ऐसे बहुत से लोगों को जानती हूं जिन्हें टिकट नहीं मिला। इसलिए जब हमें टिकट मिला, तो हम किसी भी कीमत पर मौका नहीं चूकना चाहते थे। लाहौर का 20 वर्षीय पाकिस्तानी छात्र

मुहम्मद नासाउ स्टेडियम से कुछ ही मील की दूरी पर रहते है लेकिन वह टिकट पाने में कामयाब नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत निराशाजनक है। मैं तब से टिकटों की कीमतों पर नजर रख रहा हूं जब से वे आम जनता के लिए उपलब्ध थे। मैं स्टेडियम से मैच देखना चाहता था, लेकिन एक छात्र होने के नाते, मैं उन महंगे टिकटों को खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकता। आईसीसी मैच के दौरान किसी भी तरह के राजनीतिक संदेश को दिखाने से मना करता है लेकिन यह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी) के समर्थक को एक सीटर विमान की मदद से स्टेडियम के ऊपर मंडराते हुए 'इमरान खान को मुक्त करो का बैनर प्रदर्शित करने से नहीं रोक सका।

हमास से युद्ध के बीच बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ा झटका, वॉर कैबिनेट के सदस्य ने दिया इस्तीफा

तेल अवीव- इजरायली युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने इस्तीफा दे दिया है। गाजा के लिए युद्ध के बाद की योजना की अनुपस्थिति समेत अन्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लिए तुरंत खतरा नहीं पैदा करता, जो अभी भी संसद में बहुमत गठबंधन को नियंत्रित करते हैं। लेकिन इसके कारण वह अपने दूर-दराज के सहयोगियों पर ज्यादा निर्भर होंगे। गैंट्ज ने एक टेलीविजन संबोधन में कहा, 'नेतन्याहू हमें गाजा में वास्तविक जीत की ओर बढ़ने से रोकते हैं। इसलिए हम आज भारी मन से आपातकालीन सरकार छोड़ रहे हैं।' गैट्ज ने इस फैसले से पहले नेतन्याहू को पिछले महीने अल्टीमेटम दिया था, जिसमें उन्होंने 8 जून तक गाजा पर युद्ध के लिए नई योजना बनाने को कहा था। गैंट्ज के शनिवार को इस्तीफा देने की उम्मीद थी। लेकिन इजरायली बलों के एक ऑपरेशन में 4 बंधकों को बचाने से जुड़ी खबर आने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। इस ऑपरेशन में 270 लोगों की मौत हुई। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक भारी बमबारी वाले क्षेत्रों में से एक नुसीरात के एक व्यकित ने बताया, 'निर्दोष और निहत्थे नागरिकों पर उनके घरों में बमबारी की गई। मैंने ऐसा कभी नहीं देखा। यह एक तबाही है।'

नेतन्याहू ने की थी रोकने की कोशिश गैंट्ज को रोकने की भी नेतन्याहू ने पूरी कोशिश की। शनिवार को इजरायल की आपातकालीन सरकार में बने रहने का उन्होंने आह्वान किया। नेतन्याहू ने टेलीग्राम पर उनसे आग्रह किया, 'हमारे सामने मौजूद महान कार्यों का सामने करने के लिए हमें अपने भीतर एकजुट रहना चाहिए। मैं बेनी गैंट्ज से आह्वान करता हूं कि आपातकालीन सरकार न छोड़े। एकता को न छोड़े।' 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास ने हमला किया था। इस हमले के चार दिन बाद युद्ध कैबिनेट का गठन किया गया था। गैंट्ज के फैसले से युद्ध कैबिनेट में नेतन्याहू की पार्टी के अलावा किसी अन्य का प्रतिनिधित्व नहीं रह जाएगा। इस्लाम से नहीं लड़ेगें तो दुनिया खतरे मेंज हमास संस्थापक के बेटे का इजरायल को समर्थन

विपक्ष ने की सराहना प्रधानमंत्री के अलावा निर्णय लेने की शक्ति के साथ आपातकालीन सरकार के एकमात्र अन्य सदस्य रक्षामंत्री योव गैलेंट हैं, जो नेतन्याहू की पार्टी लिकुड से हैं। गैंट्ज के इस्तीफे के बाद धुर दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमार बेन-ग्विर ने तुरंत युद्ध कैबिनेट में एक सीट की मांग की। एक्स पर उन्होंने एक पोस्ट में कहा, 'साहसी निर्णय लेने का समय आ गया है।' हालांकि इजरायल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने गैंट्ज के कदम की सराहना करते हुए कहा, 'विफल सरकार को छोड़ने का निर्णय महत्वपूर्ण और सही है।'

उत्तर कोरिया अब गंदी हरकत पर उतरा, कचरों से भरे गुब्बारे भेजे दक्षिण कोरिया

सियोल । परमाणु बम की धमकी देने वाला उत्तर कोरिया अब गंदी हरकत पर उतर आया है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के अंदर एक बार फिर कचरे से भरे सैकड़ों गुब्बारे भेजे हैं। यह हरकत ऐसे समय में की गई है, जब हाल ही में दक्षिण कोरिया में प्योंगयांग विरोधी कार्यकर्ताओं ने यह कहा था कि उन्होंने सीमा पार तानाशाह किम जोंग उन के खिलाफ गुब्बारे के जरिए पर्चे भेजे हैं। बताया जा रहा है कि तानाशह किम जोंग उन ने जो कूड़ा भेजा है, उसमें सिगरेट के टुकड़ों से लेकर कार्डबोर्ड और प्लास्टिक के टुकड़े तक शामिल हैं।

लोगों को किया अलर्ट

सियोल की सेना पहले से ही ऐसी हरकत को लेकर अलर्ट थी। इसी बीच, यह कचरे वाले गुब्बारे की खबर सामने आ गई। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया एक बार फिर दक्षिण कोरिया की ओर कचरा वाले गुब्बारे भेज रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे किसी भी गुब्बारे की सूचना अधिकारियों को दें और उन्हें छूने से बचें। वहीं, सियोल प्रशासन के साथ-साथ ग्योंगगी प्रांत के अधिकारियों ने भी लोगों को गुब्बारों के प्रति अलर्ट किया।

सैकड़ों कचरे वाले गुब्बारे भेजे

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने सप्ताह के अंत में एक बार फिर से सैकड़ों कचरे वाले गुब्बारे यहां भेजे। उन्होंने कहा कि मई से लेकर अब तक तीसरी बार ऐसी हरकत की गई है। सेना ने पहले कहा था कि वह इस बात की जांच कर रही है कि गुब्बारों में उत्तर कोरियाई प्रचार सामग्री तो नहीं है। हालिया घटना उत्तर कोरिया के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उसने कहा था कि वह दक्षिण में कार्यकर्ताओं की ओर से सीमावर्ती इलाकों में लगातार पर्चे और अन्य कूड़ा-कचरा फैलाने के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।बता दें, 1950 के दशक में कोरियाई युद्ध के बाद से उत्तर और दक्षिण कोरिया दोनों ने अपने प्रचार अभियान में गुब्बारे का इस्तेमाल किया है।

तानाशाह को ऐसे चिढ़ा रहा दक्षिण कोरिया

प्योंगयांग ने पहले आश्वासन दिया था कि वह रविवार को ऐसी किसी भी हरकत पर रोक लगा देगा। हालांकि, कुछ दिनों बाद एक दक्षिण कोरियाई समूह ने फाइटर्स फॉर फ्री नॉर्थ कोरिया मुहिम छेड़ दी। उसने उत्तर कोरियाई कचरे भरे गुब्बारे के जवाब में सीमा पर लाउडस्पीकर का प्रसारण शुरू कर दिया। इन लाउडस्पीकरों का मुंह उत्तर कोरिया की तरफ कर दिया। इनमें के-पॉप के संगीत बजाए जा रहे हैं, जिनसे उत्तर कोरिया खूब चिढ़ता है। उत्तर कोरिया में के-पॉप के गाने सुनने या उसके संगीत को रखने भर पर सख्त सजा का प्रावधान है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि लाउडस्पीकर लगाना एक चेतावनी है। साथ ही किम के शासन की निंदा करने वाले दो लाख पर्चे के साथ 10 गुब्बारे भेजे थे।उत्तर कोरियाई से निकाले गए लोगों से बने एक अन्य समूह ने भी कहा कि उसने शुक्रवार को 100 रेडियो, 200,000 प्योंगयांग विरोधी पर्चे और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल के भाषण वाले 10 गुब्बारे भेजे थे। दूसरे समूह के नेता जंग से-युल ने शनिवार को कहा कि हम अपना गुब्बारा अभियान नहीं रोकेगा, चाहे किम जोंग उन कचरा वाले गुब्बारे भेजे या नहीं।

इसलिए बढ़ रहा मामला

पिछले साल, दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने 2020 के एक कानून को रद्द कर दिया था, जो प्योंगयांग विरोधी प्रचार को भेजने को अपराध मानता था, इसे मुक्त भाषण पर अनुचित प्रतिबंध कहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि अब सरकार के पास कार्यकर्ताओं को उत्तर कोरिया में गुब्बारे भेजने से रोकने का कोई कानूनी आधार नहीं है।

सैन्य सहायता पहुंचाने में हुई देरी.., बाइडेन ने पहली बार जेलेंस्की से माफी मांगी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से माफी मांगी है। उन्होंने ये माफी सैन्य सहायता में देरी होने की वजह से मांगी। बाइडेन ने कहा कि इस वजह से रूस ने युद्ध के मैदान में यूक्रेन पर बढ़त बना ली। जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूक्रेन के साथ 61 बिलियन डॉलर के सैन्य पैकेज का एग्रीमेंट किया था। इसे रिपब्लिकन सांसदों के विरोध की वजह से अमेरिकी संसद ने छह महीने से अटका रखा था। इस देरी को लेकर बाइडेन ने जेलेंस्की से कहा- मैं हफ्तों हुई देरी को लेकर माफी मांगता हूं। मुझे अंदाजा नहीं था कि उसकी वजह से आपको क्या नुकसान उठाने पड़े हैं। बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोग लंबे समय तक यूक्रेन के साथ खड़े हैं। खुद मैं भी पूरी तरह से यूक्रेन के साथ खड़ा हूं। इसके साथ ही बाइडेन ने अलग से यूक्रेन को 225 मिलियन डॉलर की सहायता पैकेज देने की घोषणा की है। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका, पुतिन की आक्रमकता के खिलाफ संघर्ष करता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नॉरमंडी में भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी सेना का मुकाबला करने वाले अमेरिकी सैनिक भी ये चाहते होंगे कि उनका देश आज रूसी राष्ट्रपति पुतिन की आक्रमकता के खिलाफ खड़ा रहे।

पीएम फिको की पार्टी चुनाव में हारी, हमले के बावजूद भी नहीं मिली जनता की सहानुभूति

ब्रातिस्लावा । यूरोप के संसदीय चुनाव के नतीजे जारी हो गए हैं। ये नतीजे स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के लिए चौंकाने वाले रहे हैं। दरअसल उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और ये तब हुआ है, जब वह खुद एक जानलेवा हमले में बचे हैं और माना जा रहा था कि उन्हें सहानुभूति वोट मिल सकते हैं, लेकिन जनता ने उनकी पार्टी को नकार दिया।

नहीं मिल पाई जनता की सहानुभूति रॉबर्ट फिको की वामपंथी पार्टी स्मेर-एसडी को विपक्षी लिबरल पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। स्मेर एसडी ने लिबरल पार्टी को जीत की बधाई दी है। रॉबर्ट फिको (59 वर्षीय) यूक्रेन को हथियार और आर्थिक मदद देने के खिलाफ हैं। स्लोवाकिया में हुए हालिया ओपिनियन पोल में रॉबर्ट फिको की पार्टी को सबसे आगे बताया गया था और ऐसा लग रहा था कि रॉबर्ट फिको पर हुए जानलेवा हमले से लोग उन्हें जमकर वोट करेंगे और उन्हें लोगों का साथ मिलेगा, लेकिन नतीजों में इसके उलट हुआ।

विपक्षी प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी ने 27.81 प्रतिशत वोट पाए और छह सीटों पर कब्जा किया। वहीं रॉबर्ट फिको की पार्टी स्मेर-एसडी ने 24.76 प्रतिशत मत पाए और पार्टी ने यूरोपीय संसद की पांच सीटों पर कब्जा किया। स्लोवाकिया की दक्षिणपंथी पार्टी रिपब्लिका तीसरे स्थान पर ही और पार्टी को 12.53 प्रतिशत वोट और दो सीटें मिलीं।

फिको पर हुआ था जानलेवा हमला रॉबर्ट फिको को बीती 15 मई को

एक कार्यक्रम के दौरान नजदीक से 4 गोलियां मारी गईं थी। फिको पर हमला उस वक्त हुआ, जब वे समर्थकों से मुलाकात कर रहे थे। आरोपी की पहचान स्लोवाकिया के 71 वर्षीय जुराज सिंटुला के रूप में हुई। फिको को रूस समर्थक माना जाता है और वह लगातार यूक्रेन को आर्थिक मदद और हथियार देने के खिलाफ रहे हैं। अब जब पूरे यूरोप में रूस को लेकर एक डर का माहौल है, तो ऐसे में यूरोपीय संसद के चुनाव में लोगों ने रूसी समर्थक पार्टियों को नकार दिया है।

रूस में आज ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की अहम बैठक, भारत भी होगा शामिल

मॉस्को- ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन सोमवार से रूस के निजनी नोवगोरोड में शुरू हो रहा है। भारत 'विश्व बंधु' के रूप में अपने रोल को जारी रखते हुए बैठक में ग्लोबल साउथ के सामने विकास संबंधी चिंताओं और दुनिया (ङ्खशह्लद्घस्र) के सामने आ रही चुनौतियों को उठा सकता है। नई दिल्ली में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के गठन के तुरंत बाद होने वाली यह ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की पहली बैठक भी होगी। दरअसल, जनवरी में समूह के विस्तार को औपचारिक रूप दिया गया था। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री, दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री नादिया पंडोर, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, चीनी विदेश मंत्री वांग यी के अलावा ग्लोबल साउथ और ईस्ट से आमंत्रित देशों के विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे।

सोमवार की बैठक पारंपरिक रूप से केवल विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। इसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों के सभी विदेश मंत्रियों के मौजूद रहने की उम्मीद है। मंगलवार को एक विस्तारित बैठक होगी, जिसमें रूस द्वारा आमंत्रित 15 देश हिस्सा लेंगे। बैठकों में मौजूदा भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा और विकासशील देशों की भूमिका बढ़ाने पर जोर देते हुए ग्लोबल गवर्नेंस सिस्टम में सुधार लाने पर बातचीत होगी। विदेश मंत्रियों की बैठक में जो भी परिणाम आएगा, उसे अक्टूबर में कज़ान में होने वाले 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित होने की संभावना है।

ग्लोबल इमेज विजन के साथ

भारत होगा शामिल

गुटों में बंटी हुई इस दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की बढ़ती इमेज और 'विश्व बंधु' (ग्लोबल फ्रेंड) के रूप में इसके उदय को उजगार करते रहे हैं। लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा था, ग्लोबल मंच पर भारत की साख बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों में की गई कड़ी मेहनत का लाभ उठाने का समय आ गया है।

पीएम मोदी ने किया है ग्लोबल इमेज का जिक्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति भवन के बाहर उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में एक अलग ग्लोबल इमेज बनी है। भारत ग्लोबल फ्रेंड (विश्व बंधु) के रूप में उभरा है। इसका

लाभ अब मिलना शुरू होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि जहां तक पर्यावरण का सवाल है, अगले पांच साल देश के लिए बेहद उपयोगी होंगे। भाजपा के 2024 के चुनावी घोषणापत्र में 'विश्व बंधु भारत के लिए मोदी की गारंटी' टाइटल वाले एक अलग सेक्शन में जिक्र किया गया है कि कैसे मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में भारत को 'विश्व स्तर पर एक विश्वसनीय और भरोसेमंद आवाज' बनाया है।

भाजपा के संकल्प पत्र में कहा गया, आज दुनिया मानती है कि भारत लोकतंत्र की जननी है। दुनिया भर में रहने वाले भारतीय और भारतीय मूल के लोग सशक्त और जुड़े हुए महसूस करते हैं। हमारे मूल्यों, विचारों, ज्ञान और पारंपरिक ज्ञान को विश्व मंच पर गौरवपूर्ण स्थान मिला है। हम अपनी स्थिति को मजबूत करेंगे और विश्व बंधु की भावना के साथ अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नीतियों का संचालन करेंगे। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी 5एस विजन- सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि का उपयोग कर ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करने का जिक्र किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569